ओम साई राम
सुरभि बोरवेल्स
SURBHI BORWELL'S
7, 6 एवं 4.5 नलकूप खनन हेतु संपर्क करें

संदीप मिश्रा
मो.-9826106555, 9329023102
रिसाली, कृष्णा टॉकीज रोड, डॉ. विपिन अरोरा के बाजू में, एक्सिस बैंक के एटीएम के पीछे, भिलाई (छ.ग.)

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
वर्ष- 13, अंक - 292
श्रीकंचनपथ ONLINE
visit us http://www.shreekanchanpath.com
भिलाई, सोमवार 8 अगस्त 2022
पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

बस्तर में भारी बारिश जगदलपुर के रेलवे ट्रैक पर भरा पानी, स्कूलों की भी छुट्टी

जगदलपुर। बस्तर में भारी बारिश का कहर है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद यहां बादल जमकर बरस रहे हैं। यहां बारिश का कहर ऐसा है कि जिला प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टी कर दी है। यही नहीं जगदलपुर से किरंदुल रेल लाइन के ऊपर पानी भर गया है जिससे रेल यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। जिसके कारण किरंदुल से विशाखापट्नम जाने वाली पैसेंजर को दंतेवाड़ा में रोका गया है।

बता दें बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के कारण बस्तर संभाग में अच्छी बारिश हो रही है। यहां पिछले दो दिनों से तेज बारिश हो रही है और आने वाले 24 घंटों में तेज बारिश की चेतावनी दी गई है। भारी बारिश के कारण किरंदुल सेक्शन के काकलूर-कावडगांव और डाकपाल स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक के ऊपर पानी बह रहा है। इसके कारण सोमवार को यहां से गुजरने वाले ट्रेनों को रोक दिया गया है।

रायपुर मौसम केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार आने वाले 48 घंटों में बस्तर सहित दुर्ग व बीजापुर में भी भारी बारिश का अंदेशा है। सोमवार को सुबह से राजधानी रायपुर के साथ दुर्ग भिलाई में बादल छाए रहे। इस दौरान दुर्ग व बस्तर संभाग को रेड जोन में रखा है। वहीं रायपुर, बिलासपुर, कोरबा सहित अन्य जिलों म ऑरेंज अलर्ट है। तेज बारिश की आशंका के साथ मैदानी क्षेत्रों में बिजली गिरने की संभावना भी जताई गई है।

सियासतः नई सरकार बनाने की हलचल! बुलाई गई सांसदों और विधायकों की बैठक

पटना (एजेंसी)। जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह के इस्तीफे के बाद से बिहार की सियासत गरमा गई है। जेडीयू बिना नाम लिए भाजपा पर हमलावर हो गई है। वहीं इस सियासी बवाल को देखते हुए अब संभावना यह भी जताई जा रही है कि राज्य में कभी भी बड़ा राजनीतिक उलटफेर हो सकता है। 11 अगस्त तक नई सरकार बनाने की भी हलचल है। ऐसा इसलिए माना जा रहा है क्योंकि सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी से फोन पर बात की है। इस बातचीत के बाद जेडीयू ने अब मंगलवार को अपने सभी सांसदों और विधायकों की बैठक बुला ली है। इस बीच राजद नेता और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी सक्रिय हो गए हैं और अपने विधायकों की बैठक बुलाई है।

जानकारी के अनुसार सरकार चलाने

में प्री हैंड नहीं मिलने के अलावा नीतीश चिराग प्रकरण के बाद आरसीपी प्रकरण से भाजपा से खफा हैं। बीते कुछ महीने में नीतीश ने कई अहम बैठकों से दूरी बनाई है। कुछ महीने पूर्व नीतीश पीएम की कोरोना पर बुलाई गई बैठक से दूर रहे। हाल में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के सम्मान में दिए गए भोज, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण समारोह से भी दूरी बनाई। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह की ओर से बुलाई गई मुख्यमंत्रियों की बैठक से दूरी बनाने के बाद अब नीति आयोग की बैठक से भी दूर रहे।

सीएम नीतीश के खिलाफ षड्यंत्र हुआ हैः जदयू

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा, भविष्य में जब मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार होगा तो जदयू उसमें शामिल नहीं होगा। यह सीएम नीतीश का फैसला है। इतना ही नहीं ललन ने साफ कर दिया कि आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में दोनों दलों का गठबंधन अभी तय नहीं है। सिंह ने इशारों में भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, नीतीश के खिलाफ षड्यंत्र हुआ। उनका कद छोटा करने की साजिश रची गई। 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान चिराग मॉडल बनाकर उनके खिलाफषड्यंत्र हुआ और अब आरसीपी को मॉडल बनाया जा रहा था। समय आने पर यह भी स्पष्ट कर दिया जाएगा कि पार्टी के अंदर कौन सी साजिश चल रही थी।

योग आयोग द्वारा राजधानी में 19वें निःशुल्क नियमित योगाभ्यास केंद्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित करने के लिए नि:शुल्क योगाभ्यास केंद्र खोले जा रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आज रायपुर नगर निगम नियमित योगाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत टिकरापारा के वार्ड क्रमांक 58, शहीद पंकज विक्रम वार्ड स्थित गोंडवाना भवन में 19वें नि:शुल्क नियमित योगाभ्यास केंद्र का शुभारंभ किया गया। यहां योग प्रशिक्षक श्रीमती विद्या देवी साहू द्वारा प्रतिदिन प्रात: 5 बजे से 06.30 बजे तक योगाभ्यास कराया जाएगा।

अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने आपने उद्बोधन में कहा कि सभी आयु वर्ग के स्वस्थ रहने के लिए योग महत्वपूर्ण और सरल साधन है। विशेषकर कम उम्र से ही बच्चों के दिनचर्या में योग को शामिल करने से बौद्धिक शक्ति व स्मरण शक्ति का विकास होता है। यह आचरण व्यवहार को सुदृढ़ बनाता है, जिससे बच्चे अपने सुनहरे भविष्य का खुद अच्छे ढंग से निर्माण कर सकते हैं।

इस अवसर पर विशेष अतिथि योग आयोग के सचिव एम. एल. पाण्डेय ने आयोग द्वारा संचालित गतिविधियों के विषय में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद सुश्री निशा देवेन्द्र यादव, पार्षद सतनाम सिंह, योग साधकगण सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 13 अगस्त को राजधानी में शहीदों के परिजनों को करेंगे सम्मानित

- **जिलों में भी मंत्रियों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों के द्वारा किया जाएगा सम्मान**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कर्तव्य के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले छत्तीसगढ़ के वीर सपूतों के परिवारों को 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमर तिरंगा अभियान के दौरान 13 अगस्त 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राजधानी रायपुर में एवं छत्तीसगढ़ राज्य के शेष जिलों में मंत्रियों, विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद सैन्य बलों के 32 जवानों ने कर्तव्य की वेदी पर देश की सुरक्षा हेतु अपने प्राणों की आहूति दी है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के उपरांत छत्तीसगढ़ राज्य में छत्तीसगढ़ पुलिस बल के 802 जवान एवं केंद्रीय बलों के 542 जवानों सहित कुल 1344 जवानों द्वारा कर्तव्य के दौरान शहादत दी गयी है।

छत्तीसगढ़ के मूल निवासी ऐसे जवान, जिनकी शहादत सैन्य बलों (थलसेना, वायुसेना एवं नौसेना) की पदस्थापना के दौरान हुई है, एवं छत्तीसगढ़ राज्य में शहीद हुए छत्तीसगढ़ राज्य बल तथा केंद्रीय बलों के जवानों के परिजन सम्मानित होने वालों में सम्मिलित होंगे।

संजय राउत को बड़ा झटका, 22 अगस्त तक जेल भेजे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पात्रा चॉल घोटाले में गिरफ्तार शिवसेना सांसद संजय राउत को सोमवार को बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब राउत 22 अगस्त तक जेल मे रहेंगे। बता दें संजय राउत अभी तक ईडी की हिरासत में थे। पिछले गुरुवार को राउत को कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद विशेष अदालत ने ईडी की हिरासत आठ अगस्त तक बढ़ा दी थी। पिछले दिनों ईडी ने संजय राउत की पत्नी वर्षा राउत को भी पूछताछ के लिए तलब किया था।

छत्तीसगढ़ में 213 नए मामले सामने आए, एक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से कोरोना अपने पैर पसार रहा है। कोरोना से हो रही लोगों की मौत ने चिंता बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटों में छत्तीसगढ़ में कोरोना के 213 नए मामले आए हैं, इसके बाद संक्रमितों की संख्या 11,69,143 हो गई है। जबकि मरने वालों की संख्या एक से बढ़कर 14,080 हो गई।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटे में 242 लोगों के स्वस्थ होने के बाद रिकवरी की संख्या 11,51,722 थी, राज्य में 3,341 सक्रिय मामले थे। रायपुर में 44 मामले सामने आए, इसके बाद दंतेवाड़ा में 27, दुर्ग में 19, सरगुजा में 17, बिलासपुर, राजनांदगांव, धमतरी और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 13-13 और बालोद में नौ मामले सामने आए।

राज्य के आठ जिलों में कोई मामला सामने नहीं आया। उन्होंने कहा कि 24 घंटे में 3,141 नमूनों की जांच की गई, कुल परीक्षण संख्या 1,83,02,935 हो गई।

मौत के बाद भी जिंदगी रौशन कर गई दस साल की बच्ची सांप ने डसा तो तड़पते हुए बोली-मेरी आंखें दान कर देना

टोंक (एजेंसी)। टोंक के मालपुरा की एक दस साल की बच्ची मरने के बाद भी लोगों को जिंदगी रौशन कर गई। रायथल्या गांव की अंजली कंवर को सांप ने डस लिया। मरने से पहले बच्ची ने कहा कि मेरी आंखें दान कर देना। जिससे किसी और का जीवन रौशन हो सके।

मामले के अनुसार अंजली कंवर पुत्री पप्पू सिंह शुक्रवार रात को खेत पर बने मकान में सो रही थी। इसी दौरान उसे सांप ने काट लिया। जिससे वो रोने लगी। परिजन जागे और उसे मालपुर चिकित्सालय ले गए, तब पता चला कि उसे सांप ने डसा है। मालपुर चिकित्सालय से बच्ची को जयपुर रेफर कर दिया गया। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अंजलि को भर्ती करवाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसकी

मौत हो गई।

इस घटना का पता चलने पर बालिका के मामा शंकर सिंह निवासी लावा भी जयपुर पहुंचे। घटना के बाद परिवार जनों ने मामा को बताया कि अंजलि ने मरते समय कहा था कि मेरी आंखें दान कर देना। इस पर मामा ने परिजनों को प्रेरणा दी गई कि अंजली की तो मौत हो गई है। आप बच्ची की आंखें दान कर दीजिए। चाहे हमारी बिटिया हमारे बीच नहीं रही हो लेकिन उसकी आंखों से किसी और का जीवन रौशन हो सकेगा। इस पर सभी परिवार जनों ने डॉक्टर से कहा कि हमने बेटी की आंखें दान करने का निर्णय लिया है। जिस इंसान को बालिका की आंखें लगाया जाए, उस इंसान से हम जरूर मिलना चाहेंगे।

सम्मान पत्र देकर किया गया सम्मानित

मृतका अंजलि इकलौती बेटी थी और उसके दो बड़े भाई मौजूद है। माता-पिता मजदूरी करके अपना जीवनयापन करते हैं। बालिका सरकारी स्कूल में कक्षा चार में पढ़ती थी। इस घटना से परिवार में शोक का माहौल है। वहीं मानव सेवा के इस प्रेरणात्मक कार्य के लिए आई बैंक सोसायटी ने अंजलि को सम्मान पत्र से सम्मानित किया है।

मंदिर में गिरी बिजली : तेज धमाके के साथ शिव मंदिर पावर हाउस में वज्रपात सिलेण्डर फटने जैसा हुआ धमाका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अब तक मैदानी क्षेत्रों में ही बिजली गिरने की घटना सामने आ रही थी लेकिन अब आबादी के बीच भी बिजली गिरने का मामला सामने आया है। घटना भिलाई पावर हाउस स्थित शिवमंदिर की बताई जा रही है। रविवार रात को तेज बारिश के साथ शिव मंदिर में बिजली गिरी। सिलेण्डर फटने जैसा धमाका हुआ। मंदिर के पुजारी व वहां के एक व्यक्ति ने बाद में देखा तो दीवार चटक गई थी। इसकी सूचना मिलने के बाद मंदिर में भीड़ लग गई।

बता दें बीते दो दिनों से शहर में शाम के समय तेज बारिश हो रही है। रविवार को भी शहर में तेज बारिश हुई और इसका असर भी दिखा। शाम को शुरू हुई बारिश देर रात तक चली। मौसम विभाग ने उत्तरी छत्तीसगढ़ में वज्रपात की संभावना जताई थी लेकिन रविवार को भिलाई पावर हाउस के व्यस्ततम क्षेत्र में बिजली गिरी। बिजली गिरने से हालांकि ज्यादा नुकसान नहीं हुआ इसके बाद भी आसपास इसकी चर्चा होती रही और मंदिर में लोगों का जमावाड़ा लगा रहा।

प्रत्यक्षदर्शी सौरभ सिंह ने बताया कि रात लगभग 9.20 बजे बिजली गिरी। तेज गड़गड़ाहट के साथ शिव मंदिर में बिजली गिरी। इस दौरान बहुत तेज धमाका हुआ जैसे की कोई सिलेण्डर फटा हो। कुछ देर के लिए तो सन्नाटा छा गया। इसके बाद जब मंदिर जाकर देखे तो भगवान राम सीता व हनुमान की प्रतिमाओं के पीदे की दीवार में क्रेक आया और एक और हिस्से की दीवार दरक गई। सौरभ सिंह ने बताया कि जब बिजली गिरी मंदिर में कोई नहीं था जिसके कारण बड़ा हादसा टल गया।

दिल्ली में बैठकर देशभर में ठगी

दीपक रंजन दास

देश भर में ठगी करनी हो तो दिल्ली से अच्छी जगह हो ही नहीं सकती। इस शहर का इस मामले में 75 साल का उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड है। इसी शहर से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि सरकार द्वारा जारी की गई योजना राशि में से केवल 15 फीसद ही हितग्राही के पास पहुंचता है। इसी शहर से अब ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। इस नेटवर्क को एक एमकॉम, एमबीए शख्स चलाता था। उसके पास एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस में काम करने का अनुभव भी था। जाहिर है कि टैलेंट की कोई कमी नहीं थी। इस टैलेन्ट का उपयोग देश नहीं कर पाया तो उसने उसका उपयोग स्वहित में करने की ठान ली। एसबीआई और एचडीएफसी के साथ काम करते समय दो बातें एकदम क्लीयर हो गईं। व्यवस्था में कई लूपहोल हैं और देश की जनता नितांत भोली है। निजी मोबाइल कंपनियों के आने के बाद डेटा की खूब खरीद फरोख्त हो रही है। मोबाइल नंबरों से जुड़ी जानकारियां हैक भी की जा सकती हैं और खरीदी भी जा सकती हैं। ऐप के जरिए भी इस डेटा की खूब चोरी हो रही है। आप कोई भी ऐप इंस्टाल करें तो वह आपके फोन बुक, कैमरा और फोन स्टोरेज तक पहुंच मांगता है। इस डेटा को फिल्टर कर अपने काम के मोबाइल यूजर्स की पहचान की जा सकती है। यह कंपनी ठीक यही करती थी। कंपनी यूजर्स को ई-चालान भेजती थी और उसे पटाने के लिए एक लिंक शेयर करती थी। यह लिंक उनके निजी खातों से जुड़ा होता था। छोटी मोटी राशि को लोग आंख मूंदकर पटा देते थे। इसमें ट्रैफिक रूल्स वायोलेशन के मामले ही ज्यादा होते थे जिन्हें कि भोले-भाले लोग जाने-अनजाने में किया गया मान लेते थे। पर छत्तीसगढ़ के एक युवक ने इसकी शिकायत दर्ज करा दी। रायपुर के एसपी प्रशांत अग्रवाल ने इसे गंभीरता से लिये और चुटकियों में गिरोह का भंडा फोड़ कर दिया। गिरोह का भंडाफोड़ तो हो गया पर इस देश के भोलेपन का क्या कीजिए? वह किसी से पंगा नहीं चाहता। कुछ दे-दिलाकर यदि काम बन रहा हो तो वह सिरदर्द नहीं लेना चाहता। वह लोभी तो है पर इसका प्रदर्शन नहीं करना चाहता। गुपचुप जहां-तहां रकम लगा देता है। रकम डूब जाती है तो गम खा लेता है। बहुत कम लोग हल्ला करते हैं। कुछ बड़ी-बड़ी कंपनियों का तो ये स्लोगन रहा है - 'चेक आता है!'। पूरा नेटवर्क मार्केटिंग और चिटफंड बिजनेस इसी की बदौलत चलता है। तीन-चार दशक पहले तक दिल्ली-06 बेहद मशहूर था। ये सस्ती पत्रिकाओं में विज्ञापन छपवाकर ठगी करते थे। कुछ लोग शहर से बाहर आयुर्वेदिक दवाखाना का तंबू लगाकर ठगी करते थे। ये सभी आज भी किसी न किसी रूप में बने हुए हैं। जाहिर है लोग ठगे जाने के लिए तैयार बैठे हैं। केवल ठग अच्छा होना चाहिए। इसपर भी शोध होना चाहिए कि इन सभी के तार दिल्ली से क्यों जुड़े होते हैं?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राज्यपाल ने की भेंट प्रदेश की विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर बांधी राखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने गत दिवस नई दिल्ली प्रवास के दौरान सौजन्य भेंट की। राज्यपाल सुश्री उइके ने प्रधानमंत्री को भाई-बहन के स्नेह के पर्व रक्षा बंधन की अग्रिम बधाई दी। उन्होंने प्रदेश की सभी बहनों की ओर से प्रधानमंत्री के कलाई पर राखी बांधी और उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री को हर घर तिरंगा अभियान प्रारम्भ करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस मौके पर राज्यपाल ने प्रधानमंत्री मोदी से प्रदेश से जुड़े

विभिन्न विषयों और समसामयिक गतिविधियों पर चर्चा की। उन्होंने प्रदेश के सीए और व्यापारियों के माध्यम से मिली जानकारी के अनुरूप जीएसटी से जुड़े विषयों को प्रधानमंत्री को अवगत कराते हुए इसके निराकरण का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विषय पर सहयोग का आश्वासन दिया। राज्यपाल सुश्री उइके ने प्रधानमंत्री को प्रदेश में कानून व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी दी। साथ ही राज्यपाल ने छत्तीसगढ की 22 जनजातियों की सूची में मात्रात्मक त्रुटि होने की वजह से प्रमाणपत्र मिलने में हो रही परेशानी के दृष्टिगत इसके शीघ्र संशोधन का आग्रह किया। उन्होंने प्रदेश में पांचवी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में वहां के निवासियों के अधिकारों के संरक्षण की बातों को भी प्रमुखता से रखा।

इस दौरान राज्यपाल सुश्री उइके ने प्रधानमंत्री को प्रदेश के गौशाला द्वारा तैयार गोबर की माला, गौमूत्र और अन्य उत्पाद भेंट किए। साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ के एक जनजातीय कलाकार द्वारा बनाए गए प्रधानमंत्री का स्केच और राजभवन द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका 'एक आशा' भी भेंट की।

संपादकीय

सही लक्ष्य विज्ञान

भारत विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया का एक जाना-पहचाना देश है। प्राचीन काल से आधुनिक काल तक भारत ने दुनिया को अपनी किसी न किसी वैज्ञानिक योग्यता से चौंकाया है। इसमें कोई शक नहीं कि किसी भी अन्य विषय से विज्ञान की भूमिका ज्यादा होती है। जिन देशों ने विज्ञान पर ज्यादा ध्यान दिया है, वे आज विकसित हैं और जिन देशों ने विज्ञान को ज्यादा महत्व नहीं दिया, वह न केवल पिछड़े हैं, बल्कि दूसरे देशों पर निर्भरता उनकी मजबूरी है। देश के आजाद होते ही वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता देने वाली पंचवर्षीय योजना को आगे बढ़ाया गया था। भारत में योजना आयोग की स्थापना 1950 में कृषि, विज्ञान, बुनियादी ढांचे और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में की जाने वाली कार्रवाइयों की योजना बनाने और विचार करने के उद्देश्य से की गई थी। पहली योजना से ही देश में विज्ञान की नींव मजबूत होनी शुरू हुई थी। आजादी के बाद के दशक में ही देश में राष्ट्रीय स्तर पर ग्यारह शोध संस्थानों को मान्यता दी गई थी।

> वह क्षण तो अतुलनीय था, जब भारत का पहला चंद्रमा मिशन 22 अक्तूबर 2008 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था। ध्यान रहे, गगनयान कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा दो मानव रहित मिशन और एक मानवयुक्त मिशन को मंजूरी दी गई है। दवा व वैक्सीन के मामले में दुनिया को भारतीय विज्ञान क्षेत्र से सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं। हमने आजादी के 75वें वर्ष में जिस तरह टीकाकरण अभियान चलाया है, उसे तो शायद ही कोई भूल सकता है। यदि हमें महाशक्ति बनना है, तो आने वाले वर्षों में विज्ञान हमारा एक सबसे मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

हरित क्रांति विज्ञान के दम पर ही संभव हुई। देश को भरपेट भोजन देने के लिए फसल उपज क्षमता, सिंचाई प्रणाली, प्रभावी उर्वरक, कीटनाशक, बिजली स्रोत, कृषि उपकरण के बारे में अनुसंधान की कमी थी। सरकार ने कृषि को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता दी, तो भारत अपनी जरूरत भर का अनाज पैदा करने लगा। विज्ञान न होता, तो हम शायद अनाज के मामले में आत्मनिर्भर नहीं हो पाते। खेतों से लेकर अंतरिक्ष तक भारत के प्रयास धीरे-धीरे दुनिया को दिखने लगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना 1969 में भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी के रूप में की गई थी। पहला भारतीय उपग्रह आर्यभट्ट था, जिसे भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया था और इसे 19 अप्रैल 1975 को लॉन्च किया गया था। यह एक ऐसी बड़ी कामयाबी थी, जिससे देश का माथा गर्व से ऊंचा हो गया था। परमाणु क्षेत्र में भी भारत दुनिया के विशेष देशों में शामिल हो गया था। यह ऐसा दौर था, जब दुनिया के ज्यादातर देश भारत की तरक्की के प्रशंसक नहीं थे, लेकिन भारतीय जमीन पर जो वैज्ञानिक पैदा हो रहे थे, उन्हें नए-नए आविष्कारों व अभियानों से भला कौन रोक सकता था?

रक्षा के क्षेत्र में भी अगर हम आज निश्चिंत बैठे हैं, तो इसमें भी भारतीय विज्ञान की बड़ी भूमिका है। भारत लगातार अपनी मिसाइल प्रणाली को दुरुस्त करता आ रहा है। अग्नि मिसाइलों का विकास भारत की शान है। डीएनए और फिंगर प्रिंटिंग के क्षेत्र में भारत का विकास आज आदर्श है। 11 मई 1998 को भारत ने राजस्थान के पोखरण में भूमिगत पांच परमाणु बमों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था, इसके बाद दुनिया कुछ समय के लिए न केवल नाराज, बल्कि अचंभित भी हो गई थी। वह क्षण तो अतुलनीय था, जब भारत का पहला चंद्रमा मिशन 22 अक्तूबर 2008 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था। ध्यान रहे, गगनयान कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा दो मानव रहित मिशन और एक मानवयुक्त मिशन को मंजूरी दी गई है। दवा व वैक्सीन के मामले में दुनिया को भारतीय विज्ञान क्षेत्र से सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं। हमने आजादी के 75वें वर्ष में जिस तरह टीकाकरण अभियान चलाया है, उसे तो शायद ही कोई भूल सकता है। यदि हमें महाशक्ति बनना है, तो आने वाले वर्षों में विज्ञान हमारा एक सबसे मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

सवाल भारत की माली दशा का!

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है तो सोचने की जरूरत है। उन्होंने भरोसा जताया है कि भारत की स्थिति श्रीलंका या पाकिस्तान जैसी नहीं होने जा रही है। भारत की आर्थिक समस्याएं श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी नहीं हैं। भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है और विदेशी कर्ज भी कम है। राजन ने विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने में रिजर्व बैंक की तारीफ की। उनका यह कहना इसलिए ठीक है क्योंकि श्रीलंका और पाकिस्तान के संकट का कोर कारण विदेशी करेंसी के खाली खजाने का है। इसकी वजह से श्रीलंका ईंधन, खाने-पीने के सामान और दवाईयों का आयात नहीं कर पाया। निर्यात कम और आयात ज्यादा थे तो अपने आप डॉलर का खजाना खाली होता गया और दिवालिया।

मगर ऐसा असंतुलन तो भारत के विदेश व्यापार में भी है। यूक्रेन की लड़ाई के बाद पेट्रोलियम पदार्थों के आयात का भारत बिल सुरसा की तरह बढ़ा है। भारत के शेयर बाजार में विदेशी सटोरियों का डॉलर में जो पैसा लगा हुआ था वह भारत से लौटता हुआ है। ऐसे ही एनआरआई द्वारा डॉलर भेजना भी घटा है। कुल मिलाकर भारत के विदेशी मुद्रा कोष में आवक के बजाय जावक अधिक है तो श्रीलंका जैसी दशा क्या नहीं बनेगी? मगर रघुराम राजन इस तथ्य से आश्वस्त है कि भारत का करेंसी रिजर्व अच्छा-खासा है। ध्यान रहे 22 जुलाई को भारत का रिजर्व 571.76 अरब डॉलर था। मगर इसमें डॉलर में लिए अल्पकालिक कर्जों की अदायगी से जब मार्च 2023 तक एकदम गिरावट आएगी तो क्या होगा? क्या डॉलर में नए कर्ज लेकर रिजर्व को भरा-पूरा रखा जाएगा?

ऐसा संभव है। फिर भले रुपए के मुकाबले डॉलर महंगा हो चुका हो तथा रिकॉर्ड तोड़ ब्याज दर पर कर्ज लेना पड़े लेकिन सरकार आर्थिकी की गुलाबी तस्वीर बनाए रखने के लिए अगले साल अधिक और महंगे कर्ज ले सकती है।

सवाल है कि महंगाई और वित्तीय घाटे के बढ़ते सिनेरियो में भारत के लिए कर्ज लेना क्या मुश्किल नहीं बनेगा? केंद्र सरकार ने तमाम तरह के सच्चे-झूठे आंकड़ों और शेयर बाजार को ऊंचा बनाए रखने के लिए जितनी तरह के उपाय किए हैं उनका भांडा क्या छह-आठ महीनों में खुलता हुआ नहीं होगा? भारत की आर्थिकी बनाम श्रीलंका और पाकिस्तान की स्थितियों का एक बुनियादी फर्क यह है कि भारत की 140 करोड़ लोगों की आबादी दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। यह बाजार अपने भीतर लोगों की हैसियत का इतना भारी फर्क लिए हुए है कि भारत की अर्थव्यवस्था वैसे कभी मर याकि बेमौल्य-कबाड़ नहीं हो सकती है जैसे श्रीलंका की हुई है। भारत की आबादी और आकार दोनों गारंटी है जो मरा हाथी भी सवा लाख का! 140 करोड़ लोगों में क्योंकि आठ-दस प्रतिशत लोग क्रिमी लेयर हैं। दो नंबर की कमाई से मलाई खाते हैं तो कोविड के घर बैठे निठल्लेपन के बाद इस आबादी से अपने आप पैसा बाजार में घूमा है।

हरिशंकर व्यास

> **पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन के सिंह ने एक लेख में आइंस्टीन को याद करते हुए लिखा था कि अक्सर आप उन्हीं चीजों की सबसे ज्यादा कीमत चुकाते हैं, जो आपको मुफ्त में मिल रही होती है। जाहिर है, सिर्फचुनाव जीतने के लिए अगर पार्टियां आपको लॉलीपॉप दिखा रही हैं, तो उसकी कीमत अंततः आपकी ही जेब से निकलने वाली है। अच्छा होगा, देश इस मसले पर गंभीरता से सोचे और ऐसा रास्ता निकाले, ताकि गरीबी और पिछड़ेपन से मुकाबले के नाम पर पार्टियां सिर्फवोट बैंक ही न साधती रहें।**

मुफ्त रेवड़ियों पर लगाम की कवायद

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

रेवड़ियां बांटने का मामला गंभीर हो गया है। खासकर राजनीतिक लाभ के लिए रेवड़ी बांटने या चुनाव जीतने के लिए लुभावने वादे करने पर सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल पहले भी थे, पर अब सुप्रीम कोर्ट ने बाकायदा इस पर विचार के लिए विशेषज्ञ समूह बनाने का एलान कर दिया है। समूह में चुनाव आयोग, नीति आयोग, वित्त आयोग, रिजर्व बैंक और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इन विशेषज्ञों को यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी कि राजनीतिक दल चुनाव से पहले मुफ्त बांटने के जो वादे करते हैं, उनके लागू होने का करदाताओं व अर्थव्यवस्था पर क्या असर होता है? इसका अध्ययन करें और इन पर नियंत्रण रखने के तरीके सुझाएं।

आजादी के 75 साल बाद यह बात सामने आना गंभीर भी है और चिंताजनक भी, पर साथ ही इससे उम्मीद भी जगती है। उम्मीद यह कि सुप्रीम कोर्ट एक समाज के तौर पर हम सबको जगाने में कामयाब होगा या कम से कम उसकी शुरुआत कर पाएगा, दरअसल जो सवाल इस विशेषज्ञ समूह के सामने रखे गए हैं, उन पर पूरे देश को सोचना चाहिए और उसका जवाब भी किसी ऐसे समूह, अदालत या आयोग के बजाय समाज के बीच से ही आना चाहिए। वरिष्ठ अर्थशास्त्री व बिजनेस स्टैंडर्ड के संपादक ए के भट्टाचार्य का मानना है कि इस विषय पर सिद्धांत रूप में चर्चा और विमर्श बहुत जरूरी है। सबसे पहले यह तय होना जरूरी है कि फ्रीबीज या रेवड़ियां क्या हैं, मुफ्तखोरी की परिभाषा क्या है, सुप्रीम कोर्ट ने भी अभी तक यह परिभाषा तय नहीं की है। क्या समाज के गरीब वर्ग को मुफ्त भोजन देना रेवड़ी बांटना कहलाएगा? क्या उज्ज्वला योजना में मिले रसोई गैस के सिलेंडर रेवड़ी कहला सकते हैं?

ऐसे तमाम उदाहरण हैं। आजादी के समय भारत की आबादी करीब 34 करोड़ थी। इनमें से अस्सी प्रतिशत लोगों की जिंदगी खेती के भरोसे चलती थी, पर देश में कुल साठ लाख टन गेहूं पैदा हो पाता था। अब पंजाब, मध्य प्रदेश और हरियाणा ही मिलकर इससे पांच गुना गेहूं सरकारी खरीद में देते हैं। अगर आजादी के फौरन बाद सरकार ने सिंचाई पर खर्च बढ़ाकर किसानों को सहारा न दिया होता, तो यह नहीं हो सकता था।

वह भी एक समय था, जब 1 मई, 1951 को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को रेडियो पर जनता से अपील करनी पड़ी थी कि हफ्ते में एक दिन उपवास रखें और अनाज बचाएं। आजादी से पहले ही भारत में राशन और कंट्रोल की व्यवस्था लागू हो चुकी थी और यह काम शुरू करने वाले अंग्रेज अफसर का दावा था कि राशनिंग और कंट्रोल भारत में कभी खत्म नहीं होंगे, क्योंकि हालात सुधर ही नहीं सकते हैं। हालात सुधरे ही नहीं, बल्कि 75 साल में यहां तक पहुंच चुके हैं कि इतनी विशाल जनसंख्या के बावजूद भारत अब लाखों टन गेहूं निर्यात करने की स्थिति में भी है।

दरअसल, कुछ राजनीतिक दलों को यह समझ में आया कि जनता को कुछ देने का वादा उन्हें वोट दिला सकता है। शुरुआत आंध्र प्रदेश में एन टी रामाराव ने की थी, दो रुपये किलो चावल देने के वादे के साथ। उसके बाद तो जैसे सिलसिला चल निकला। तमिलनाडु में तो दोनों बड़े दलों में होड़ ही लग गई। सस्ते अनाज, धोती, साड़ी वगैरह से शुरू हुआ सिलसिला प्रेशर कुकर, मिक्सी, सौ यूनिट बिजली फ्री, मंगलसूत्र, रंगीन टेलीविजन और स्कूटी खरीदने के लिए सब्सिडी तक पहुंच गया। कुछ ही समय की बात थी कि उत्तर भारत के राज्यों में भी साइकिल, स्कूटी, टैबलेट और लैपटॉप तक के वादे होने लगे। फिर दिल्ली की सरकार ने पानी और बिजली के बिलों में फ्री यूनिट का एलान करके एक नया मॉडल खड़ा कर दिया।

लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था या किसी राज्य की अर्थव्यवस्था सिर्फ इसलिए तो नहीं चलती कि उसे किसी पार्टी को चुनाव जिताना है। जो पार्टी जीतती है, उसकी जिम्मेदारी होती है कि वह राज्य को और उसकी अर्थव्यवस्था को बेहतर तरीके से चलाए। यही वजह है कि चुनाव के पहले इस तरह के वादों पर सवाल उठाया जाता है, जिनका बोझ बाद में सरकारी खजाने को झेलना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाया है। सुप्रीम कोर्ट से पहले भी तमाम विश्लेषक इस बात पर हैरानी जताते रहे हैं कि आखिर चुनाव आयोग ऐसी घोषणाओं पर रोक क्यों नहीं लगाता?

अतीत में ऐसे अनेक उदाहरण हैं, खासकर टी एन शेषन के कार्यकाल में और उसके बाद भी, जब चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों के वादों पर ही नहीं, बल्कि सरकार के फैसलों तक पर रोक लगाई, लेकिन साल 2013 में तमिलनाडु के ऐसे चुनावी वादों के खिलाफ एक याचिका सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची थी, तब शीर्ष अदालत ने इसे भ्रष्ट आचरण नहीं माना था। शायद इसी वजह से चुनाव आयोग भी ऐसे वादों पर लगाम नहीं कस पाया। पंजाब पर तीन लाख करोड़ रुपये का कर्ज होते हुए भी आम आदमी पार्टी ने मुफ्त बिजली का वादा किया और सरकार बना ली। पैसा कहां से आएगा, यह सवाल अब उसे खुद से पूछना है।

हमें समझना होगा, सब्सिडी या सरकारी मदद दो तरह की होती है। जरूरी और गैर-जरूरी या वाजिब और गैर-वाजिब। जो जीवन के लिए जरूरी है, वह वाजिब सब्सिडी है। जिनसे केवल शौक पूरे होते हों, उन्हें गैर-वाजिब सब्सिडी कहना चाहिए। इसी लिहाज से गरीबों को अनाज, शिक्षा, इलाज, गैस सिलेंडर, शौचालय और घर बनवाने तक की मदद या रोजगार देनेवाली मनरेगा जैसी स्कीमों पर सवाल नहीं उठता। अब सुप्रीम कोर्ट भी चाहता है कि इस विषय के सारे पहलुओं पर चर्चा हो और फिर एक साफ परिभाषा सामने आए, जिससे इस सवाल का जवाब मिले कि कौन-सी मदद वाजिब है और कौन-सी नहीं।

पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन के सिंह ने एक लेख में आइंस्टीन को याद करते हुए लिखा था कि अक्सर आप उन्हीं चीजों की सबसे ज्यादा कीमत चुकाते हैं, जो आपको मुफ्त में मिल रही होती है। जाहिर है, सिर्फचुनाव जीतने के लिए अगर पार्टियां आपको लॉलीपॉप दिखा रही हैं, तो उसकी कीमत अंततः आपकी ही जेब से निकलने वाली है। अच्छा होगा, देश इस मसले पर गंभीरता से सोचे और ऐसा रास्ता निकाले, ताकि गरीबी और पिछड़ेपन से मुकाबले के नाम पर पार्टियां सिर्फवोट बैंक ही न साधती रहें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बढ़ती आबादी से आजादी की ओर तेजी से बढ़ना होगा

मनु गौड़, जनसंख्या विशेषज्ञ

जनसंख्या नियंत्रण के विषय में विश्व में सबसे पहले सोचने वाला भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बनने को तैयार है। करीब 140 करोड़ आबादी के साथ यह विश्व में दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि अगले साल यह चीन को पछाड़ देगा। जाहिर है, यह स्थिति हमारे लिए शोचनीय होनी चाहिए। 14-15 अगस्त, 1947 की मध्यरात्रि को जब जवाहरलाल नेहरू के ट्रिस्ट विद डेस्टनी शब्दों के साथ पृथ्वी के 2.4 प्रतिशत भूभाग पर 14.9 प्रतिशत आबादी वाले इस देश का जन्म हुआ था, तब चिंता भारतीयों के लिए अच्छी शिक्षा, चिकित्सा, भोजन, रोजगार आदि की उपलब्धता को लेकर थी। सरकार जानती थी कि इतनी बड़ी आबादी के लिए संसाधन उपलब्ध कराना आगे कठिन होगा। चूंकि 1951 की जनगणना में भारत की आबादी करीब 36 करोड़ थी, इसलिए देश ने 1952 में दुनिया का पहला परिवार नियोजन कार्यक्रम शुरू किया।

परिवार नियोजन कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार के बावजूद 1961 की जनगणना में भारत की आबादी बढ़कर 44 करोड़ होने के साथ चिंताएं गहरा गईं। इसलिए, 1963 में सरकार ने देश का पहला विस्तृत कंडोम वितरण कार्यक्रम शुरू किया। वर्ष 1966 में हिन्दुस्तान लैटैक्स लिमिटेड नामक एक पीएसयू की स्थापना भी की गई, ताकि नागरिकों को परिवार नियोजन के लिए गर्भ-निरोधक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इन सबके बावजूद 1971 की जनगणना में देश की आबादी 55 करोड़के करीब पाई गई। चूंकि तब तक परिवार नियोजन संविधान का अंग नहीं था, इसलिए 1976 में 42वें संशोधन द्वारा सातवीं अनुसूची में वर्णित समवर्ती सूची में जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन को जोड़ा गया, जो 1 जनवरी, 1977 से प्रभावी हुआ। वृहद् स्तर पर जनसंख्या नियंत्रण के लिए नसबंदी कार्यक्रम भी चलाए गए।

भारत के जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों को देखकर 70 के दशक में चीन ने भी जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास आरंभ किए। 1979 में चीन 40 करोड़ नए जन्म को रोकने के लक्ष्य के साथ अगले 35 वर्षों के लिए 'एक बच्चा की नीति' लेकर आया, जिसको उसने 38 साल में पा भी लिया। इसके बाद रिप्लेसमेंट लेवल को बनाए रखने के लिए उसने दो और कहीं-कहीं तीन बच्चों के जन्म की अनुमति दी। हालांकि, तथाकथित बुद्धिजीवी इसे 'वन चाइल्ड पॉलिसी' की विफलता मानते हैं।

गौर कीजिए, 1979 में भारत की प्रति व्यक्ति आय और अर्थव्यवस्था चीन के लगभग बराबर थी, जबकि वह क्षेत्रफल व संसाधन की दृष्टि से हमसे तीन गुना है। इसका अर्थ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चीन की तुलना में उस समय तीन गुना अधिक अच्छी थी। पर जनसंख्या नियंत्रण के बाद उसकी आर्थिक स्थिति आज कैसी है, यह बताने की जरूरत नहीं है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 1983 में उम्मीद जताई गई थी कि कुल प्रजनन दर में गिरावट के बावजूद भारत 2000 में रिप्लेसमेंट लेवल, यानी 2.1 टीएफआर पा लेगा, पर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार देश ने उस दर को 2022 में प्राप्त किया। यह बताता है कि जिस तेजी से हमारी जनसंख्या थमनी चाहिए थी, वह नहीं हुई। जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी समाज के लिए आदर्श बनें, इसके लिए नरसिंह राव सरकार ने दो बड़े फैसले किए थे। पहला, विधायकों व सांसदों को दो बच्चों की नीति के दायरे में लाना था। अगर इससे जुड़ा बिल संसद में पास हो जाता, तो दो से अधिक बच्चों वाला कोई भी व्यक्ति विधायक या सासंद नहीं बन सकता था, पर ऐसा हो न सका। और दूसरा फैसला था, ऑल इंडिया सर्विसेज कंडक्ट रूल्स 1968 की धारा 17 में संशोधन कर 17ए जोड़ना। इसके अनुसार, भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा व वन सेवा के अधिकारियों पर दो से अधिक बच्चों को जन्म देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। मगर आज तक इस नियम का शायद ही पालन किया गया है।

बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट यही बताती है कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए हमें तत्काल उचित नीति बनानी चाहिए। आज जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तब यही सवाल मन में आता है कि आखिर कब मिलेगी देश को बढ़ती आबादी से आजादी?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

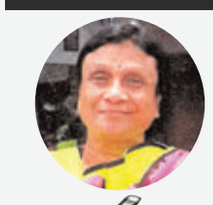

उड़ता-उड़ता
दिल कहां-कहां
उड़ान भरे? जहां,
रास्ते छोड़े थे अब
वहीं के लिए
तड़पे।

-अंजली जैन
7024460938

उफ! सत्ता का ऐसा अहंकार!

अजीत द्विवेदी

लोकतांत्रिक सत्ता भी नेता को अहंकारी बनाती है लेकिन कितना? क्या लोकतंत्र में किसी चुनी हुई सरकार के नेता या मंत्री का अहंकार ऐसा हो सकता है कि वह कहे कि तुम जिंदा हो तो हमारे नेता की वजह से, उसका धन्यवाद करो? या यह कि हमारा नेता 80 करोड़ गरीबों का फ्री फंड में पेट भर रहा है, उसका धन्यवाद करो? ये दोनों डायलॉग दो दिन के अंतराल पर सुनने को मिले हैं। लोकसभा में महंगाई पर चर्चा के दौरान भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि 'प्रधानमंत्री देश के 80 करोड़ गरीबों को फ्री फंड में खाना दे रहे हैं तो क्या उनका धन्यवाद नहीं किया जाना चाहिए'। इससे एक दिन पहले बिहार सरकार के एक मंत्री और भाजपा के नेता रामसूरत राय ने एक सभा में कहा कि 'आज अगर आप जिंदा हैं, तो वो नरेंद्र मोदी की देन है। अगर नरेंद्र मोदी अपना कोरोना वैक्सीन का इश्तहार नहीं करते, आविष्कार नहीं करते। लोगों को फ्री वैक्सीन नहीं लगताज..एक साल पहले वाला जो कोरोना थाज सबसे पहले वाला कम था, बीच वाला जो कोरोना आया था, कोई ऐसा व्यक्ति नहीं था, जिसके परिवार के लोग, रिश्तेदार लोग, घर का लोग नहीं मरा होगा'।

सोचें, एक नेता के मुताबिक प्रधानमंत्री देश के लोगों के पालनहार हैं तो दूसरे के मुताबिक जीवन-मृत्यु भी उन्हीं के हाथ में है! वे ही रक्षक भी हैं! हैरानी है कि भारत जैसे देश में, जहां हर व्यक्ति यह दोहराता है कि अहंकार तो रावण का भी नहीं रहा, वहां ऐसा अहंकार! वह भी अहंकार एक नेता का, जिसका खुद का सारा जीवन फ्री फंड की सुविधाओं पर चलता है! सोचें, सांसदों और विधायकों को क्या-क्या फ्री फंड में मिलता है। देश या राज्यों की राजधानी में फ्री का घर मिलता है। उस घर में फ्री की बिजली मिलती है और फ्री का पानी मिलता है। उसमें फ्री का फर्निचर और परदे लगाए जाते हैं। फ्री का टेलीफोन मिलता है। फ्री की हवाई यात्रा और फ्री की रेल यात्रा मिलती है। फ्री का स्टाफ मिलता है। सांसद या विधायक के नाते जो वेतन मिलता है उसके अलावा संसद या विधानसभा में जाने के लिए भत्ता अलग से मिलता है। क्षेत्र में घूमने और जनता से मिलने के लिए भी भत्ता मिलता है। संसद और विधानसभाओं में लगभग फ्री की कीमत पर खाना मिलता है। हार जाने के बाद भी सांसदी और विधायकी दोनों की अलग अलग पेंशन मिलती है और ढेरों अन्य सुविधाएं मिलती हैं, वह व्यक्ति कह रहा है कि फ्री फंड का खाना दे रहे हैं या फ्री की वैक्सीन लगवा रहे हैं! इसी के लिए कहा गया है, 'बुत हमको कहें काफिर, अल्लाह की मर्जी है'!

फ्री की इतनी सारी सुविधाएं देने के लिए पैसा कहां से आता है? वह पैसा इस देश की 140 करोड़ जनता की खून-पसीने की कमाई का होता है। देश के सकल घरेलू उत्पादन में हर भारतीय का योगदान है। भारत में टैक्सपेयर का एक मिथक बनाया गया है, जिसमें आयकर देने वाले ही टैक्सपेयर माने जाते हैं। लेकिन असल में इस देश का एक एक व्यक्ति टैक्स देता है। अप्रत्यक्ष कर ऐसा कर है, जिसे हर व्यक्ति को चुकाना होता है। सो, यह टैक्सपेयर का पैसा होता है, जिससे सांसदों, विधायकों और देश के सरकारी बाबुओं को वेतन, पेंशन और ढेर सारी फ्री की सुविधाएं मिलती हैं। क्या कभी किसी ने इसके लिए देश की जनता का आभार मानने या उसे धन्यवाद कहने की जरूरत समझी है? नेता महोदय, आप धन्यवाद कहिए देश की जनता का, जिसकी गाढ़ी कमाई के पैसे से आपको सारी सुख-सुविधाएं मिल रही हैं! उसी की कमाई या उसी के टैक्स के पैसे में से अगर कोई सरकार उसे कुछ सुविधाएं देती है तो उसका अहसान नहीं जताया जा सकता है!

देश का पैसा या संपत्ति किसी सरकार की नहीं होती है। वह देश की होती है, देश के नागरिकों की होती है। सरकार उस पैसे या संपत्ति की मालिक नहीं है, बल्कि मैनेजर है, कस्टोडियन है। उसे उस पैसे की देख-भाल करनी है और उससे नागरिकों के लिए अधिकतम सुविधाओं का इंतजाम करना है। ध्यान रहे लोग सरकार इसलिए नहीं चुनते हैं कि वह उनके उपर कोड़े चला कर टैक्स वसूले और उस टैक्स के पैसे से सरकार का सिस्टम चलाए। नेताओं और सरकारी बाबुओं के वेतन-पेंशन दे और ठेके-पट्टे बांटे। लोक कल्याणकारी सरकार इसलिए चुनी जाती है कि वह आम जनता के हितों की रक्षा का काम करे। उसका काम जनता के लिए बुनियादी सुविधाओं का इंतजाम करने का होता है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद विश्वविद्याल में भारत स्काउट्स गाइड्स के राष्ट्रीय निदेशक का आगमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राष्ट्रीय मुख्यालय दिल्ली के कार्यकारी निदेशक कृष्णास्वामी राममूर्ती जी ने छत्तीसगढ राज्य की प्रथम यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ स्वामी विवेकानंद तकनीकि विश्वविद्यालय भिलाई के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट मे रोवर स्काउट्स व रेंजर गाइड्स को संबोधित किया ।

अपने उदबोधन में कृष्णास्वामी ने युवाओं को अपने शैक्षणिक गतिविधी के साथ-साथ कोई आत्मनिर्भर तथा देश और समाज हित के कार्यक्रम से जुडने का आव्हान किया। उन्होने कहा कि भारत स्काउट्स गाइड्स देश के युवाओं का सबसे बडा वर्दीधारी अराजनीतिक संगठन है, जिस की वर्तमान सदस्य संख्या साठ लाख है ऐवं वर्ष 2050 तक इसे एक करोड तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित है।

भारत स्काउट्स ऐवं गाइड्स का उद्देश्य अपने कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण के द्वारा युवाओं को अनुशासित, स्वावलंबी ऐवं बहुमुखी प्रतिभासंपन्न बना कर देश व समाज को सुयोग्य नागरिक देना है*। भारत स्काउट्स गाइड्स राष्ट्रीय निदेशक के साथ भारत स्काउट्स व गाइड्स छत्तीसगढ के राज्य सचिव कैलाश सोनी ऐवं स्टेट कोऑर्डिनेटर उच्च शिक्षा यू एम मुकादम ने भी छात्रो को संबोधित किया।

अतिथियों का स्वागत छत्तीसगढ स्वामी विवेकानंद तकनीकि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर श्री वेद प्रकाश नायक, कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर श्री शुभम यादव ऐवं आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अन्नपूर्णा मेडम ने किया। भारत स्काउट्स गाइड्स के राष्ट्रीय निदेशक का छत्तीसगढ स्वामी विवेकानंद तकनीकि विश्वविद्यालय भिलाई आगमन। दिनांक 06.08.2022 को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राष्ट्रीय मुख्यालय दिल्ली के कार्यकारी निदेशक कृष्णास्वामी राममूर्ती ने छत्तीसगढ राज्य की प्रथम यूनिवर्सिटी *छत्तीसगढ स्वामी विवेकानंद तकनीकि विश्वविद्यालय भिलाई के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट मे रोवर स्काउट्स व रेंजर गाइड्स को संबोधित किया । अपने उदबोधन में कृष्णास्वामी जी ने युवाओं को अपने शैक्षणिक गतिविधी के साथ-साथ कोई आत्मनिर्भर तथा देश और समाज हित के कार्यक्रम से जुडने का आव्हान किया। उन्होने कहा कि भारत स्काउट्स गाइड्स देश के युवाओं का सबसे बडा वर्दीधारी अराजनीतिक संगठन है, जिस की वर्तमान सदस्य संख्या साठ लाख है ऐवं वर्ष 2025 तक इसे एक करोड तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित है।

भारत स्काउट्स ऐवं गाइड्स का उद्देश्य अपने कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण के द्वारा युवाओं को अनुशासित, स्वावलंबी ऐवं बहुमुखी प्रतिभासंपन्न बना कर देश व समाज को सुयोग्य नागरिक देना है। भारत स्काउट्स गाइड्स राष्ट्रीय निदेशक के साथ भारत स्काउट्स व गाइड्स छत्तीसगढ के राज्य सचिव कैलाश सोनी ऐवं स्टेट कोऑर्डिनेटर उच्च शिक्षा यू एम मुकादम ने भी छात्रो को संबोधित किया। अतिथियों का स्वागत छत्तीसगढ स्वामी विवेकानंद तकनीकि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर श्री वेद प्रकाश नायक, कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर श्री शुभम यादव ऐवं आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अन्नपूर्णा मेडम ने किया।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति ने अपनी सहभागिता देते हुए हर- घर तिरंगा फहराने आह्वान किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम में आज श्रीराम जन्मोत्सव समिति ने अपनी सहभागिता देते हुए हर- घर तिरंगा फहराने आह्वान किया। समिति द्वारा संरक्षक एवं प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में खुर्सीपार एवं केम्प क्षेत्र में पदयात्रा के माध्यम लोगों को इस महोत्सव में सहभागी बनने और अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराने अपील की गई। हजारों की संख्या में स्थानीय लोगों ने एक स्वर में जय हिंद के नारों के साथ उत्साह दिखाते हुए इस पदयात्रा में हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश में हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत की गई है, जिसमें आम नागरिकों से अपने घरों में तिरंगा फहराकर इसमें अपनी सक्रिय सहभागिता देने की अपील की गई है। इसी क्रम में श्रीराम जन्मोत्सव समिति ने भी इस अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता देते हुए आज खुर्सीपार जोन -1 शिवालय से जोन -3 पम्प हाउस एवं केम्प श्रीरामलू पोटी चौक से सर्कुलर मार्केट तक पदयात्रा कर हर घर तिरंगा का नारा दिया गया। केम्प में पदयात्रा के दौरान वैशालीनगर विधायक विद्यारतन भसीन भी शामिल हुए। समिति के संरक्षक एवं प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने इस दौरान आमजनों से आह्वान किया कि वे अपने घरों में ऊंचाई पर तिरंगा फहराएं और इस राष्ट्रीय महोत्सव में अपनी सक्रिय सहभागिता दें।

इस दौरान श्री पाण्डेय ने जलेबी चौक में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस वर्ष 15 अगस्त को देश, अपनी आजादी का 75वां आजादी महोत्सव मनाने जा रहा है। यह हम सभी भारतीयों के लिए गौरवांवित करने वाला क्षण है कि हम करोड़ों भारतीय देश की आजादी का जश्न मनाने जा रहे हैं। इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सभी नागरिकों से इस महोत्सव से जुड़ने अपने घरों में तिरंगा फहराने का आह्वान किया है। श्री पाण्डेय ने कहा कि देश का राष्ट्रीय ध्वज, प्रत्येक भारतीय की आन- बान- शान है। उन्होंने कहा कि जब किसी बच्चे के हाथ में यह झंडा होगा तो उसमें देशप्रेम की अलख जागृत होगी। समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने सभी आमजनों से इस महोत्सव में शामिल होने की अपील की। साथ ही राष्ट्रीय ध्वज का किसी भी प्रकार से अपमान न हो इसका विशेष ध्यान रखने की अपील की। पदयात्रा के दौरान उन्होंने सुभाष चौक में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया।

खास खबर

जीवन में सिर्फ गुण ही गुण देखना सीखे तो विकास थम जाएगा : आचार्यश्री विशुद्ध सागर

रायपुर। सन्मति नगर फाफडीह में रविवार को आचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने मंगल देशना में कहा कि दुनिया में कहा जाता है हर वस्तु में गुण होता है। आप संसार में छले मत जाना वस्तु में गुण ही नहीं दोष भी होता है। आज तक आपको सिखाया गया कि गुणों को ही देखना चाहिए। सत्य तो यह है कि आपको गुण और दोष दोनों देखना चाहिए। जब तक दोष का ज्ञान नहीं होगा गुणों को कैसे ग्रहण करोगे और जब तक गुणों का ज्ञान नहीं होगा तब तक दोष का त्याग कैसे करोगे। तुरंत प्रभावित होना घोर पाप है। जब सबके अंदर गुण और दोष है तो गुण को ही ग्रहण करो और दोष का नाश करो। जीवन में गुण ही गुण देखना सीखे तो विकास थम जाएगा। आचार्यश्री ने कहा कि वह जीव धन्य है जिसमें भारत भूमि में जन्म लिया है। जिन्हें अपने जीवन का ज्ञान है यही जीव जगत में जीवित जीव है। अपने प्रमाण, ज्ञान का प्रयोग पर पदार्थों में लगाने वाले व्यक्ति जगत में बहुत है ,स्वयं की बुद्धि,प्रमाण का प्रयोग अपने आत्मा के लिए करने वाले बहुत कम लोग है। अनेकांत स्यादवाद की दृष्टि में जिसने जीवन जीने की दृष्टि बनाई है वह भारत वसुंधरा में ही नहीं, विश्व वसुंधरा में बिरले लोग हैं। व्यक्ति को शांत बैठ कर उसे भी समझना चाहिए जिसके माध्यम से इस जगत में चक्षुसा को आप समझ रहे हैं। आचार्यश्री ने कहा कि यदि जीव को आनंद आएगा तो अपने ज्ञान के माध्यम से जानने की चेष्टा करेगा। सत्य तो यह है कि संसार में एक भी वस्तु आपकी नहीं है। सभी पर वस्तु है, आपका शरीर भी आपका नहीं है। संसार में जीने के लिए बुद्धि चाहिए, भगवान बनने के लिए महाबुद्धि चाहिए। धन,धरती छोडना सरल है, धन का मोह,यश का लोभ छोडना कठिन है।

तीज महोत्सव में बोल उठीं चूड़ियां, झूमे कंगना

लीनेस क्लब के आयोजन में महिलाओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। समाजसेवी संगठन लीनेस क्लब की ओर से तीज महोत्सव 'बोले चूड़ियां...' का आयोजन 6 अगस्त की रात स्थानीय एक होटल धूमधाम से किया गया। इस दौरान महिलाओं अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। एक से बढ़कर एक फिल्मी गीतों में महिलाओं ने जमकर डांस किया। समूह व एकल डांस से शानदार समां बंध गया।

डिस्ट्रिक्ट संपदा की चार्टर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अंजू कटारे इस उत्सव में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं। मस्ती और धूम-धाम से ओतप्रोत इस उत्सव की रूपरेखा विभा भूटानी,अंजना विनायक और रश्मि लखोटिया ने तैयार की थी। अपने उद्बोधन में डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अंजू कटारे ने कहा कि महिलाओं के लिए तीज का सर्वाधिक महत्व है और ऐसे अवसर पर मनोरंजक कार्यक्रम चार चांद लगा देते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के सामाजिक मिलन से आपसी सद्भाव बढ़ता है और क्लब की एकता मजबूत होती है।

क्लब की अध्यक्ष सीमा यादव,मुख्य अतिथि अंजू कटारे ,कैबिनेट सचिव रश्मि अग्रवाल, चीफ एडवाइजर मृदुला रोजिनदार के स्वागत के साथ रंगारंग कार्यक्रम की शुरुआत हुई। एरिया ऑफिसर नीलिमा दीक्षित की उपस्थिति में मनोरंजन कार्यक्रमों के साथ-साथ लकी ड्रा भी निकाला गया।

सचिव लता मंत्री एवं कोषाध्यक्ष सहित सीनियर सदस्य जयंती शर्मा, नूतन गंधोक,सुषमा उपाध्याय, गीता मिश्रा, रेबेका बेदी, उर्मिला टावरी, शालिनी सोनी, जया त्रिवेदी, पुष्पा सिंह, मीना सिंह, प्रिया रस्तोगी, रश्मि गेडाम और सविता श्रीवास्तव ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी।

स्कूल शिक्षा प्रमुख सचिव डॉ. शुक्ला ने की बसना स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल की तारीफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला आज शनिवार को महासमुंद ज़िले के एक दिवसीय दौरे पर आए। अपने दौरे के अंत में बसना के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल पहुँचे। विधार्थियो और शिक्षकों से बात की। उनके साथ कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर, सीईओ ज़िला पंचायत एस.आलोक, एसडीएम श्रीमती नम्रता जैन, डीईओ श्रीमती एस. चन्द्रसेन सहित अन्य विभागों के अधिकारी साथ थे।

प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला ने विद्यालय को देख कर अद्भुत कहा। उन्होंने प्राचार्य और शिक्षकों के पढ़ाने स्कूल की व्यवस्था विशिष्ट प्रयोगशालाएं, अच्छा पुस्तकालय, उत्कृष्ट सीखने का माहौल आदि की प्रशंसा और तारीफ़ की। जाने के बाद उन्होंने कलेक्टेर को अंग्रेज़ी में मेसेज किया कि जिसका सार है कि प्राचार्य और शिक्षक असाधारण हैं। छात्र बहुत अच्छे हैं। विशिष्ट प्रयोगशालाएं, अच्छा पुस्तकालय, उत्कृष्ट सीखने का माहौल, अंग्रेजी और हिंदी माध्यम के बीच अच्छा समन्वय है। उन्होंने इसके लिए कलेक्टर श्री निलेशकुमार क्षीरसागर, एसडीएम सरायपाली श्रीमती नम्रता जैन सहित डीईओ को बधाई दी। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ तस्वीर खिंचवाई।

श्री शुक्ला सबसे पहले महासमुंद विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पटेवा का आकस्मिक निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया। उसके बाद पिथौरा के बागरपाली गोठान का अवलोकन कर महिला समूह की महिलाओं से बातचीत की और गतिविधियाँ देखी।

जैव-विविधता संरक्षण व सामुदायिक विकास पर तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान द्वारा मैदानी कर्मचारियों के क्षमता विकास के लिए जैव-विविधता संरक्षण और सामुदायिक विकास पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक धम्मशील गणवीर ने अतिथियों का स्वागत कर, प्रकृति पूजन के रूप में आंवला पौधे के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला की शुरूआत की थी। यह कार्यशाला वन विद्यालय जगदलपुर में तथा फील्ड विजिट के साथ आज संपन्न हुई।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में वन्य जीवन के मुख्य वन संरक्षक अभय वास्तव की मौजूदगी में विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालने के लिए राजीव रंजन, पंचकूला, हरियाणा से, सपना गुप्ता, जियोलॉजी डिपार्टमेंट, शासकीय काकतीय विद्यालय जगदलपुर से, डॉ. विद्याधर अटकोरे, सेकॉन, तमिलनाडु से, सौम्या रंजन, समर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट, छत्तीसगढ़ से, अंजार नबी जगदलपुर से, चक्र प्रणव ईस्ट कोस्ट कंजर्वेशन ट्रस्ट विशाखापट्टनम से, डॉ. प्रत्युष मोहापात्रा जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया से मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रकृति की रक्षा में नागरिक दायित्व या सामुदायिक हिस्सेदारी के बारे में राजीव रंजन ने साहित्यिक रूप से बताया। वहीं सपना गुप्ता द्वारा कांगेर घाटी के विभिन्न संरचनाओं जैसे गुफा, जलप्रपात एवं जियो-टूरिज्म के बारे में बताया गया। डॉ विद्याधर ने मीठे पानी के जैव-विविधता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा किया और कांगेर घाटी तथा सम्पूर्ण पर्यावरण के संरक्षण के लिए व्यवहारिक बदलाव पर भी प्रकाश डाला। चक्र प्रणव ने छोटी जंगली बिल्लियों के रहवास व उन्हें पहचानने के तरीकों को समझाया।

सलीके से रखे गए समान और सजावट की तारीफ की

कलेक्टर ने सी-मार्ट में की रसोई में उपयोगी समान की खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर ने आज महिला समूहों द्वारा निर्मित घरेलू उत्पादों की सी-मार्ट में खरीदी की। उन्होंने रसोई घर पर उपयोग में आने वाले मसालें और स्नान में उपयोग आने वाली दैनिक सामग्री ली। उनके साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पंचायत श्री एस.आलोक और साथ आए अधिकारियों ने अपने उपयोग का समान लिया।

कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने सामग्री की हाथ ट्राली ले कर सी-मार्ट में रखी सामग्री देखी और घर के उपयोग में आने वाला समान ख़रीदा। उन्होंने सी-मार्ट की सलीके से रखे गए समान और सजावट की तारीफ़ की। दीदियों से बातचीत की बिहान दीदियों ने कलेक्टर को बताया बरी, पापड़, अचार, साबुन, अगरबत्ती, एलईडी बल्ब आदि की बिक्री काफ़ी है। कलेक्टर ने कहा कि समान पूरी गुणवत्ता का हो इसका विशेष ध्यान दिया जाए। तभी और ग्राहक समान लेने आएँगे। गुणवत्ता से कोई समझौता न करें। क्वालिटी मेंटेन रखे।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि समूह की महिलाओं द्वारा उत्पादित सामग्री के लिए बाज़ार मिले। इसलिए शासन द्वारा पूरे प्रदेश में सी-मार्ट खोलें जा रहे है। ताकि ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाई गयी सामग्री ग्राहकों को एक छत के नीचे आसानी से मिले। शुरुआत में कुछ दिक्क़त आ सकती है। धीरे-धीरे ग्राहकों का स्थानीय स्तर पर बने शुद्द समान की बिक्री में और तेज़ी आएगी। उन्होंने उत्पादित बिक्री बढ़ाने पर बल देते हुये कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि सी-मार्ट का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों एवं महिला स्व सहायता समूहों, कुम्भकारों, अन्य पारंपरिक कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही सी-मार्ट के माध्यम से स्थानीय निवासियों को रोज़गार के बेहतर अवसर और नागरिकों को एक ही स्थान पर गुणवत्तायुक्त वस्तुएं उचित कीमत मिले यह मंशा है।

सी-मार्ट में उत्पादों की अधिक बिक्री स्थानीय बाजार और रोज़गार को बढ़ावा देगी। उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिये अच्छी मार्केटिंग और बेहतर प्रचार-प्रसार किया जाए। इसके साथ ही उत्पादों का सोशल मीडिया में प्रचार-प्रसार भी करें। कलेक्टर ने इस मौक़े पर सी मार्ट चलाने वाली मौजूद महिलाओं से कहा कि खुलने और बंद होने का समय ग्राहकों की सुविधा के अनुरूप हो यह ध्यान रखें।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी कल से
आदिवासियों की विविध एवं अदभुत संस्कृति की दिखेगी झलक

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय की विविध एवं अदभुत संस्कृति पर केंद्रित तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का आयोजन रायपुर घडी चौक के पास स्थित कलावीथिका महंत घासीदास संग्रहालय में 9 से 11 अगस्त तक किया जा रहा है। फोटो प्रदर्शनी का शुभारम्भ 9 अगस्त को दोपहर 3 बजे से होगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ टेलीविजन कलाकार सुधांशु पांडे, मुख्यमंत्री के विशेष सलाहकार प्रदीप शर्मा, छत्तीसगढ़ शासन के सलाहकार गौरव द्विवेदी, संचालक संस्कृति विवेक आचार्य, सी.एस.पी.डी.सीएल के एमडी उज्ज्वला बघेल, रिटायर्ड डी.जी.एम. सी.एस.पी.डी.सी.एल हरीश बघेल के द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ की जनजातीय जीवन के बारे में जन-जन तक जानकारी पहुंचाना है। साथ ही आदिवासियों की संस्कृति को मूलरूप में बचाये रखने और उसे संजोने में सहयोग देना है। इस विशेष आयोजन में शहर के जाने माने फोटोग्राफर जो विगत कई वर्षों से छत्तीसगढ़ के विभिन्न ट्राइबल एरिया में स्वरूचि से निरन्तर फोटोग्राफी के कार्य को कर रहे है, उनके फोटोग्राफ के माध्यम से जनसामान्य को इनके जीवन शैली से अवगत करा रहे है। जिनकी फोटो इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित की जाएगी। रायपुर के फोटोग्राफर दीपेंद्र दीवान, अखिलेश भरोस एवं उनकी टीम के सदस्य इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अपने फोटोग्राफ के माध्यम से सहयोग कर रहे है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 614.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 614.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 7 अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1536.6 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 272.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 364.8 मिमी, बलरामपुर में 294.1 मिमी, जशपुर में 351.6 मिमी, कोरिया में 383.0 मिमी, रायपुर में 403.3 मिमी, बलौदाबाजार में 565.7 मिमी, गरियाबंद में 677.9 मिमी, महासमुंद में 580.8 मिमी, धमतरी में 690.3 मिमी, बिलासपुर में 646.6 मिमी, मुंगेली में 644.1 मिमी, रायगढ़ में 571.6 मिमी, जांजगीर-चांपा में 719.7 मिमी, कोरबा में 485.1 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 569.7 मिमी, दुर्ग में 540.4 मिमी, कबीरधाम में 584.1 मिमी, राजनांदगांव में 638.7 मिमी, बालोद में 712.8 मिमी, बेमेतरा में 397.4 मिमी, बस्तर में 872.8 मिमी, कोण्डागांव में 709.9 मिमी, कांकेर में 806.3 मिमी, नारायणपुर में 703.4 मिमी, दंतेवाड़ा में 881.4 मिमी और सुकमा में 606.4 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू खतरा बढ़ा चार साल की बच्ची मौत, एक महीने में सामने आए 28 केस

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। स्वाइन फ्लू से पीड़ित कबीरधाम की चार वर्षीय एक बच्ची की रविवार को मौत हो गई। बच्ची निमोनिया और फेफड़े की बीमारी से भी पीड़ित थी। स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि बच्ची की मौत के पीछे स्वाइन फ्लू नहीं अपितु फेफड़े की बीमारी है। इधर स्वाइन फ्लू पीड़ित बालोद के तीन वर्ष के एक अन्य बच्चे का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्रदेश में 11 स्वाइन फ्लू रोगियों का इलाज चल रहा है। बता दें कि राज्य में पिछले एक माह के भीतर स्वाईन फ्लू के 28 केस आ चुके हैं। वहीं, 100 से अधिक संदेह वाली रिपोर्ट जांच के लिए भेजी गई है। फिलहाल इनकी रिपोर्ट नहीं आई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि रायपुर, जगदलपुर और बिलासपुर मेडिकल कालेज व एम्स में स्वाइन फ्लू के सैंपल जांचे जा रहे हैं। रायपुर मेडिकल कालेज में किट ना होने के कारण जांच नहीं हो रही है। ऐसे में जांच के लिए आने वाले रोगियों को लौटा दिया रहा है। जबकि विभागाध्यक्ष को ही टेस्ट से जुड़ी जानकारी नहीं है।

विश्व आदिवासी दिवसः रायपुर में विशेष जनजातीय समूहों की सांस्कृतिक संध्या का रंगारंग आयोजन

मंत्री डॉ प्रेमसाय टेकाम ने मांदर बजाकर कलाकारों का किया उत्साह वर्धन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में विशेष रूप से संरक्षित जनजातीय समूहों की पारंपरिक खेल मड़ई की सांस्कृतिक संध्या का आयोजन रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में हुआ। ऑडिटोरियम में संध्या 5 बजे से विशेष रूप से पिछड़ी जनजातीय समूह के सांस्कृतिक दलों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संसदीय सचिव द्वारकाधीश यादव ने की। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि सहित आदिम जाति कल्याण विभाग सचिव डी.डी. सिंह एवं आयुक्त शम्मी आबिदी विशेष रूप से उपस्थित थीं।

मंत्री डॉ प्रेमसाय टेकाम ने कार्यक्रम के दौरान मांदर बजाकर किया कलाकारों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जनजातियों के शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कौशल विकास, आजीविका तथा सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में राज्य सरकार द्वारा विशेष रुप से कमजोर जनजातीय समूह को 23 हजार 600 से अधिक व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र वितरित किए गए हैं, जिसका रकबा 18500 हेक्टेयर से अधिक है। सामुदायिक वन अधिकार के तहत 1700 से अधिक पट्टे जिसका रकबा एक लाख 14 हजार हेक्टेयर से अधिक है। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को आजीविका का साधन उपलब्ध कराने के लिए 100 से अधिक सामुदायिक वन संसाधन वन अधिकार पत्र दिए गए हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह के 9623 शिक्षित युवाओं को पात्रता अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्त करने की कार्यवाही की जा रही है। जनजातीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सरकार द्वारा जनजातियों के आस्था स्थल देवगुड़ियों के निर्माण, जीर्णोद्धार के लिए स्थल के लिए 5-5 लाख रूपए की मंजूरी दी जा रही है। इसके साथ ही जनजाति समुदाय में प्रचलित घोटुल प्रथा को संरक्षित रखने के लिए भी विशेष प्रयास किया जा रहा है। बीते साढ़े तीन वर्ष में 1889 देवगुड़ियों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के लिए 22 करोड़ 82 लाख स्वीकृत किए गए हैं। वर्ष 2022-23 में जिला नारायणपुर में स्थानीय जनजातियों के सांस्कृतिक संरक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए 94 घोटुल निर्माण हेतु 4 करोड़ 70 लाख की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे जनजाति संस्कृति के संरक्षण एवं प्रोत्साहन में मदद मिलेगी एवं आने वाली पीढ़ी भी अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक बनेगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशेष संरक्षित जनजातियों के 7 दलों ने अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें जशपुर संभाग के पहाड़ी कोरवा द्वारा अगनई नाचे पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई जो पूस के महीने में धान कटाई के उपलक्ष्य में की जाती है। अबूझमाड़िया दल द्वारा गौर नृत्य, जो हरेली पर प्रकृति को धन्यवाद देने के लिए किया जाता है। गरियाबंद जिले के कलाकारों द्वारा कमार नृत्य, जो नवाखाई पर किया जाता है। रायगढ़ जिले के कलाकारों द्वारा पेड़ा नृत्य, जो नवाखाई के अवसर पर किया जाता है। मुंगेली जिले से करमा बैगा नृत्य, जिसे बारह महीने किया जाता है। सरगुजा जिला करमा नृत्य द्वारा करमा त्यौहार के अवसर पर किया जाता है, कि प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अन्त में मंत्री डॉ. टेकाम ने सभी कलाकार दलों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्त्रि पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

राजधानी में दो दिवसीय खेल मड़ई शुरूः विशेष रूप से संरक्षित जनजातियों की पारंपरिक खेलों का हो रहा प्रदर्शन

राज्य स्तरीय आयोजन में 700 प्रतिभागी ले रहे भाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर दो दिवसीय पारंपरिक खेल मड़ई का आयोजन स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा रायपुर में शुरू हुआ। इस खेल मडई में राज्य 17 जिलों के लगभग 700 प्रतिभागी हिस्सा ले रहें है। खेल मड़ई में विशेष रूप से संरक्षित जनजातियों की पारंपरिक खेलों का प्रदर्शन किया जा रहा है। राजधानी के विवेकानंद स्टेडियम कोटा में आयोजित किए जा रहे खेल मड़ई में फुगड़ी, गेड़ी, रस्साकसी, मटका दौड़ सहित अन्य पारंपरिक खेलों में विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस मड़ई में तीरंदाजी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। जनजातीय महोत्सव में स्कूली बच्चों के साथ ही युवाओं ने भी हिस्सा लिया। आदिम जाति तथा अनु जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राज्य गठन के बाद संभवत: यह पहला अवसर है, जब विशेष रूप से

संरक्षित जनजातियों के पारंपरिक खेल मड़ई का इतने व्यापक राज्य स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा आयोजित किए जा रहे इस खेल प्रतियोगिता में विभिन्न जनजातीय समुदायों द्वारा पारंपरिक रूप से खेले जाने वाले खेल जैसे तीरंदाजी, गुलेल, मटका दौड़, गिल्ली डंडा, गेड़ी दौड़, भौरा, फुगडी, बिल्ला रस्साखींच, सत्तुल, भारा दौड, बोरा दौड, सुई धागा दौड, मुदी लुकावन, तीन टंगड़ी दौड़ तथा नौकायन आदि का आयोजन किया जा रहा है। बालक एवं बालिकाओं हेतु दो वर्ग 14 वर्ष से 18 वर्ष आयु वर्ग तथा खुली प्रतियोगिता अंतर्गत 18 वर्ष एवं अधिक की महिला एवं पुरुष हेतु पारंपरिक रूप से खेले जाने वाली खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि जिला स्तर पर जनजातीय अभिकरण क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विकासखण्डों से खेलवार विशेष संरक्षित जनजातीय समुदायों से एंट्री आमंत्रित कर विगत 22 से 28 जुलाई तक खेल प्रतियोगिता जिलों में आयोजित की गई थी। जिला स्तर से चयनित प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं।

आर्ट ऑफ हैप्पी लिविंग विषय पर संस्कार शिविर बच्चों को खेल-खेल में सिखाया आध्यात्मिक संस्कार

रायपुर (ए)। बच्चों के मन में माता-पिता, बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर, मान-सम्मान की भावना जागृत हो, इस उद्देश्य को लेकर पचपेड़ी नाका स्थित हीरसुरी भवन में अध्यात्मिक संस्कारों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आचार्य मुनि शाम्य तिलक के मार्गदर्शन में 200 से अधिक बच्चों को रविवार को प्रशिक्षण दिया गया।

चातुर्मास समिति के राजेश सिंगी ने बताया कि बच्चों के मन में सुसंस्कारों का बीजारोपण करने के लिए प्रेरणादायी कहानियां सुनाई गई। साथ ही मोबाइल, टीवी से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। खेल-खेल में धर्म का मर्म समझाया गया। इसके बाद बच्चों से प्रश्न पूछे गए। उत्तर देने वाले बच्चों को पुरस्कार दिया गया ताकि उनका हौसला बढ़े और वे

शिविर में सीखने के प्रति लालायित हों।

शिविर में बच्चों को दो वर्ग में बांटा गया। 10 से कम उम्र के बच्चों को कहानियों, चित्रों के माध्यम से संस्कार सिखाया गया। इस पर आधारित क्विज में मलय मुणोत, अक्षिका बरलोटा विजेता रहे। 10 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को गुरु भगवंत ने भीमसेन चरित्र पर आधरित प्रेरक कथा सुनाई। इसके पश्चात ग्राउंड गेम एवं कार्ड गेम खिलाए गए। साथ ही 14 वर्ष से अधिक उम्र की बालिकाओं को साध्वी भगवंत ने आर्ट ऑफ हैप्पी लिविंग विषय पर शिक्षा दी। बच्चों ने खुलकर अपने मन की शंकाओं, जिज्ञासाओं के बारे में पूछा, जिसका साध्वी ने समाधान किया। अध्यात्म शाला के पश्चात बच्चों को बैठाकर स्वल्पाहार कराया गया। 45 दिवसीय आगम तप का 21वां दिवस रहा। एकासना के लाभार्थी सुमन देवी, संजय कुमार, अजय कुमार, राजेश सिंगी परिवार रहा। कुल 70 तपस्वियों ने एकासना किया।

कॉलेजों में प्रवेश के लिए कल जारी होगी मेरिट सूची

रायपुर (ए)। कॉलेजों में दूसरे चरण के प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। आठ अगस्त को महाविद्यालयों को सूची प्रदान करनी होगी। कल मेरिट सूची जारी होगी। इसके आधार पर सीटों पर पुन: प्रवेश होगा। छात्र नौ से 16 अगस्त तक प्रवेश ले सकेंगे।

इसके बाद बची हुई सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया खोल दी जाएगी। कालेज प्रबंधन अपने अनुसार प्रवेश ले सकेंगे। बता दें कि प्रथम चरण में प्रवेश की अंतिम तिथि पांच अगस्त थी। साइंस कालेज, दुर्गा कालेज, डिग्री गर्ल्स कॉलेज समेत अन्य कालेजों में प्रथम सूची के नाम के अनुसार प्रवेश के लिए आए छात्रों को भी प्रवेश दिया गया। प्रथम चरण में प्रवेश के बाद 80 से 85 प्रतिशत सीटें खाली हैं।

बीएड में प्रवेश को लिए 18 को जारी होगी सूची

राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद के बीएड व डीएलएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पंजीयन की प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। प्रथम चरण की सूची 18 अगस्त को जारी होगी और प्रवेश की प्रक्रिया 25 अगस्त तक चलेगी। रिक्त सीटों की जानकारी

26 अगस्त को दी जाएगी। द्वितीय सूची पांच सितंबर को जारी करेंगे। इसके आधार पर प्रवेश नौ सितंबर तक होंगे।

बीटेक कृषि अभियांत्रिकी में प्रवेश 15 तक

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से संबद्ध शासकीय व निजी महाविद्यालयों में संचालित बीटेक कृषि अभियांत्रिकी, बीटेक खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया 25 जुलाई से शुरू हुई है। छात्र 15 अगस्त तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। 23 अगस्त को पीईटी-2022 की प्रावीण्य सूची के आधार पर अभ्यर्थियों को सीट व महाविद्यालय का आवंटन किया जाएगा। अभ्यर्थियों को 24 से 27 अगस्त के मध्य दस्तावेज परीक्षण के लिए महाविद्यालय रायपुर में उपस्थित होना होगा।

हर रंग कुछ कहता हैः रंग सिर्फ आप के आशियाने की खूबसूरती ही नहीं बढ़ाते, बल्कि आप के व्यक्तित्व के बारे में भी बताते हैं

रंगों ने हमारी सोच, भावनाओं और बौद्धिकता को विकसित करने में अहम भूमिका निभाई है. अत्यधिक आकर्षक, आसानी से नजर आने वाले और विविधता भरे रंगों में कुछ खास प्रकार की ऊर्जा उत्सर्जित करने की ताकत होती है. ये रंग हमारे दिलोदिमाग को प्रभावित कर सकते हैं. यदि इन्हें सही अनुपात में शामिल किया जाए, तो कुछ खास तरह के रंग और उन के मिश्रित रूप काफी जीवंतता ला सकते हैं.

सजावट की अलग-अलग चीजों जैसे पेंटिंग, लैंप, फूलदान, वालपेपर, फूल, पौधे, लाइट, कलाकृतियां, मूर्तियां, फर्नीचर आदि को शामिल कर के विभिन्न रंगों को शामिल किया जा सकता है. इस के साथ ही घर की खूबसूरती को बढ़ाने वाले सजावटी सामान, मोमबत्तियों से ले कर सौफ्ट फर्निशिंग जैसे परदे, ड्रैप, साजोसामान, कुशन, ट्यूब पिलो, बैड और बाथरूम लिनेन, डाइनिंग टेबल सैट, मैट और रनर से भी रंगों को जोड़ा जा सकता है. साथ ही किचन वेयर जैसे सर्व वेयर, क्रौकरी, बेक वेयर, मग, ट्रे आदि भी रंगों को शामिल करने का अच्छा तरीका हो सकते हैं. पूरी दुनिया कला के बेहतरीन नमूनों से भरी है, जिन्हें घर में सजा कर उसे बहुआयामी, सुंदर और आकर्षक बनाया जा सकता है.

ट्रैंडी शेड्स, पैटर्न और प्रिंट में उपलब्ध ये इंटीरियर फैब्रिक वेयर घर की सजावट में बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं और वह भी किफायती दाम में और बिना ज्यादा देखभाल के. कला के रंग थोड़े पेचीदा होते हैं, इसलिए सही चीज का और सही मात्रा में चुनाव करें. ऐक्सपर्ट की राय भी ली जा सकती है. रंग को समझना कि उस के लिए क्या सही और क्या गलत है, उस की ऊर्जा और उस का प्रभाव क्या है, ये सारी चीजें एक नया बालगेम हैं. ये रंग आप के व्यक्तित्व को समझने में मदद करेंगे.

लाल

यह गतिशीलता, उत्साह और दृढ़संकल्प का रंग है. यह रंग बहुत ही तेज है और आधुनिक संदर्भों में इस का अर्थ शक्तिशाली और प्रभावी हो गया है. यह रंग तानाशाही, तुरंत क्रोधित हो जाने वाले और निडर होने का प्रतीक है. लाल रंग जितना सुंदर होता है इसे पसंद करने वाले भी उतने ही उत्साही, आत्मविश्वासी और मुखर होते हैं.

नीला

यह रंग विश्वास, ईमानदारी, निष्ठा, सुव्यवस्था, शांति और धैर्य का प्रतीक है. जिन लोगों को नीला रंग पसंद आता है, वे दयालु, आशावादी, अनुमानित, अकेले और माफ न करने वाले होते हैं.

हरा

जिन लोगों को हरा रंग पसंद आता है उन में दिल और दिमाग का सही संतुलन होता है. वे प्रकृति प्रेमी, संवेदनशील, अनुकरणीय, व्यवहार कुशल, परिवार के लिए समर्पित होते हैं.

पीला

पीला भी सकारात्मकता और नकारात्मकता का मिश्रित रंग होता है. यह रंग आशावादी, उत्साह, बुद्धिमत्ता और तार्किकता को दर्शाता है. साथ ही यह व्यक्ति को विश्लेषी, डरपोक और अहंकारी बनाता है.

सफेद

यह पूर्णता का रंग है, जो प्रेरणा और गहराई प्रदान करता है. स्वतंत्रता और पवित्रता का प्रतीक माना जाने वाला यह रंग एकता, सद्भाव, समानता और पूर्णता प्रदान करता है.

बैगनी

जो लोग बैगनी रंग पसंद करते हैं वे सौम्य, उत्साही और करिश्माई व्यक्तित्व वाले होते हैं. वे दूसरों पर निर्भर रहने वाले होते हैं, इसलिए रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को लेने से बचते हैं. ये लोगों को आसानी से पहचान लेते हैं. इन्हें सत्ता पसंद आती है.

धूसर

यह सब से अधिक ग्लैमरस रंग है, जो निराशाजनक होने के बावजूद सुंदर है, बोरिंग हो कर भी परिपक्व है, उदासीन होने पर भी क्लासिक है. यह शेड स्थिरता एवं शालीन तरंगों के साथ गरिमामयी महिमा का वर्णन करता है. यह अनिश्चितता और अलगाव को भी दर्शाता है.

भूरा

इस रंग को पसंद करने वाले गंभीर, जमीन से जुड़े होने के बावजूद भव्यता की झलक देते हैं. ये लोग सहज, सरल, निर्भर होने के बावजूद कई बार कंजूस और भौतिकवादी होते हैं.

काला

दृढ़, सीमित, सुंदर, आकर्षक और ठंडक देने वाला काला रंग काफी गहरा होता है, जिसे कई लोग अशुभ करार दे सकते हैं. यह रंग रहस्य, नकारात्मकता, निराशा और रूढिवादिता को दर्शाता है.

नारंगी

अत्यंत चटकीला रंग नारंगी मुखर और रोमांच चाहने वालों का रंग है. आशावादी, खुशमिजाज, सहृदयी और स्वीकार्य होने के साथसाथ यह रंग सतही, असामाजिक और उन लोगों का प्रतीक है, जो अत्यधिक अहंकारी होते हैं.

सक्सेस पर विजय वर्मा बोलेः घरवालों को इससे फर्क नहीं पड़ता, उन्हें यह यकीन हो गया कि लड़का भूखा नहीं मरेगा

विजय वर्मा इन दिनों अपनी फिल्म डार्लिंग्स में हम्जा के किरदार से सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने सक्सेस पर बात करते हुए कहा कि मेरे घर वालों से इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उनको इस बात का यकीन हो गया है कि ये भूखा नहीं मरेगा। इसके साथ ही उन्होंने अपनी फिल्म डार्लिंग्स पर भी बात की।

खाना ठीक से खा रहा है?

पैरेंट्स पर बात करते हुए विजय कहते हैं, उनको इस चीज ज्यादा मतलब नहीं है। मेरी मां होममेकर हैं, वह ज्यादातर अपने काम में ही व्यस्त रहती हैं। हां अब उनको इस बात का यकीन हो गया है कि मेरा बेटा अब मुंबई में भूख से मरेगा नहीं और अपना जीवन थोड़ा आराम से बिता सकता है। जब भी मां का वीडियो कॉल आता है, वह हमेशा मुझे कहती हैं कि तू पतला हो गया है। उनका दूसरा प्रश्न होता है कि मैं खाना ठीक से खा रहे हो?

मैंने चैलेंज को एक्सेप्ट किया

डार्लिंग्स पर बात करते हुए विजय ने कहा- जब आप पेपर पर पढ़ते हो तो आपको कहानी का अंदाजा हो जाता है। इस पर जब डायरेक्टर की क्या राय है? जब मुझे इस बात का पता तो यह मुझे बहुत ही फैसेनेटिंग लगा। यह रोल बहुत चैलेंजिंग भी था और मैंने उस चैलेंज को एक्सेप्ट किया। जब आपके पास डार्लिंग्स जैसी फ्रेश स्क्रिप्ट हो और इसके साथ आपको शेफाली शाह आलिया भट्ट के साथ काम करने का मौका मिले तो यकीन मानिए आपके पास सोचने के लिए कुछ बचता नहीं हैं।

विजय वर्मा का करियर

विजय ने 2012 में आई चित्तागोंग फिल्म से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। इसके अलावा रंगरेज, गैंग ऑफ घोस्ट, पिंक, राग देश, गली बॉय जैसी फिल्म में उनके काम से जाना जाता है। विजय को वेब शो शी और मिर्जापुर में काम कर एक अलग पहचान बनाई है। विजय ने एक्टिंग की पढ़ाई पुणे के फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया से की थी।

आमिर ने रिजेक्ट की थी 7 बेहतरीन फिल्में

डीडीएलजे और बजरंगी भाईजान जैसी कई फिल्में छोड़ीं, बाद में इन्हीं फिल्मों ने रचा इतिहास

आमिर खान की अपकमिंग फिल्म लाल सिंह चड्ढा 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसको लेकर वो चर्चा में बने हुए हैं। 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' फिल्में चुनने में बहुत सावधानी बरतते हैं यही कारण है कि उनके हाथ से बहुत सारी बेहतरीन फिल्में भी निकली हैं। आमिर की छोड़ी गई फिल्में ऐसी भी हैं जो बाद में सलमान खान और शाहरुख खान जैसे स्टार्स की झोली में गईं और हिट साबित हुईं।

साजन

फिल्म साजन के लिए मेकर्स ने एक साथ सलमान खान और आमिर खान को अप्रोच किया था पर इस फिल्म के लिए आमिर ने मना कर दिया था। इसके बाद इस फिल्म में संजय दत्त को कास्ट किया गया था। ये 1991 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। इस फिल्म ने 33 करोड़ का कलेक्शन किया था।

डर

फिल्म डर में साइको-ऑब्सेसिव लवर का रोल प्ले करने के लिए मेकर्स ने पहले आमिर खान को अप्रोच किया था पर उन्होंने मना कर दिया था। बाद में फिल्म में शाहरुख को कास्ट किया गया था। फिल्म में राहुल मेहरा का किरदार जो शाहरुख ने निभाया था वो आज भी लोगों के जहन में याद है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस 22 करोड़ का कलेक्शन किया था।

हम आपके हैं कौन

ये फिल्म सलमान खान के करियर की हिट फिल्मों में से एक है। फिल्में में प्रेम का रोल निभाने के लिए डायरेक्टर सूरज बड़जात्या की पहली पसंद आमिर खान थे पर आमिर ने इस फिल्म को करने से मना कर दिया था जिसके बाद सलमान ने इस रोल को निभाया। सलमान और माधुरी दीक्षित स्टारर ये पहली बॉलीवुड फिल्म थी जिसने भारत में ही 100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे

इस फिल्म ने बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की परिभाषा को बदल दिया था। डायरेक्टर आदित्य चोपड़ा ने शुरू में आमिर खान को राज का रोल ऑफर किया था, लेकिन आमिर को ये रोल पसंद नहीं आया था और उन्होंने मना कर दिया था। इसके बाद ये रोल शाहरुख खान ने इस कदर निभाया कि ये फिल्म शाहरुख की अब तक की सबसे अच्छी और सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्म बन गई। फिल्म ने नेशनल फिल्म अवॉर्ड और उस समय 10 फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड बनाया। ये फिल्म अभी भी मुंबई के मराठा मंदिर थिएटर में दिखाई जाती है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 113 करोड़ का कलेक्शन किया था।

मोहब्बतें

डीडीएलजे की तरह ही आदित्य चोपड़ा ने मोहब्बतें के लिए भी सबसे पहले आमिर खान को ही अप्रोच किया था। आमिर द्वारा ठुकराए जाने के बाद इस फिल्म में शाहरुख खान नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 90 करोड़ का कलेक्शन किया था।

बजरंगी भाईजान

सलमान खान के करियर में ऐसा वक्त भी आया था कि उनकी कई फिल्म फ्लॉप साबित हुई थीं, जिसके बाद 2015 में उन्होंने फिल्म बजरंगी भाईजान से कमबैक किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कबीर खान इस फिल्म में आमिर खान को कास्ट करना चाहते पर इसके लिए भी आमिर ने ना कर दिया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 321 करोड़ का कलेक्शन किया था।

दिल तो पागल है

फिल्म निर्माता यश चोपड़ा की फिल्म दिल तो पागल है, शुरुआत में आमिर खान को ऑफर की गई थी पर उन्होंने इसे ठुकरा दिया था। बाद में इस रोल में शाहरुख खान नजर आए और ये फिल्म उनके करियर की हिट फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई। इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 60 करोड़ का था।

जान्हवी कपूर को आई मां श्रीदेवी की यादः बोलीं- मां के लिए करियर बनाना चाहती हूं, उनका नाम रोशन करना है

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान अपने करियर के साथ-साथ अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी के बारे में भी बात की। जान्हवी ने कहा कि उन्हें अपनी मां की बहुत याद आती है और उन्हें ये करियर उनके लिए बनाना है, ताकि श्रीदेवी उन पर प्राउड फील कर सकें। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि मां श्रीदेवी नहीं चाहती थीं कि वो कभी भी एक्टिंग करें।

मैं एक्टिंग नहीं करूंगी तो जिंदगीभर दुखी रहूंगी- जान्हवी

जान्हवी ने कहा, 'मॉम हमेशा मुझसे कहती रहती थीं कि तुम बहुत भोली हो। तुम आसानी से लोगों की बातों में आ जाती है, फिर तुम उतनी ही जल्दी हर्ट भी हो जाती हो। तुम्हें इस इंडस्ट्री में सर्वाइव करने के लिए अलग तरह से मजबूत बनाना होगा।

मैं नहीं चाहती कि तुम वैसी बनो। लोग मेरी 300 फिल्मों को तुम्हारी पहली फिल्म से कंपेयर करेंगे। तुम उसे कैसे डील करोगी? तब मैंने मां से कहा था कि मुझे पता है कि ये बहुत मुश्किल होने वाला है। पर ये भी पता था कि अगर मैं एक्टिंग नहीं करूंगी तो जिंदगीभर दुखी रहूंगी।'

लोग करते हैं जान्हवी को श्रीदेवी से कंपेयर

जान्हवी से आगे जब ये पूछा गया कि लोग वास्तव में उनकी फिल्मों की तुलना श्रीदेवी से करते हैं? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'हां, बिल्कुल। मेरी पहली फिल्म को उनकी कई फिल्मों से कंपेयर किया गया था। मुझे और किसी चीज के बारे में कुछ नहीं पता। मैं बस उनके लिए यह करियर बनाना चाहती हूं। उनका नाम रोशन करना चाहती हूं।'

'दोस्ताना 2' में नजर आएंगी जान्हवी

जान्हवी की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरूआत 2018 में आई फिल्म 'धड़क' से की थी। जान्हवी फिलहाल नितेश तिवारी की फिल्म 'बवाल' में वरुण धवन के साथ काम कर रही हैं। ये फिल्म 2023 में रिलीज होगी। इसके अलावा उनके पास 'दोस्ताना 2' और 'मिस्टर एंड मिसेज माही' जैसी फिल्में हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI TH XII TH B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
& CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

बस्तर संभाग में ऑरेंज अलर्ट के बाद अनवरत जारी है अति भारी वर्षा का दौर

जगदलपुर। बस्तर जिले के लिए मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के बाद शनिवार से हो रही जोरदार बारिश आज दिन भर भी जारी रही। बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के लिए भी मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, इसमें कहा गया है कि बीजापुर जिले में एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी से अति भारी वर्षा और वज्रपात की संभावना है। बीजापुर जिले में भी शनिवार से ही भारी बारिश का दौर जारी है। बस्तर संभाग के अन्य जिलों दंतेवाड़ा, सुकमा, कोंडागांव, नारायणपुर, जिले में एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा और वज्रपात का येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में बीजापुर जिले में एक-दो स्थानों पर अति भारी बरसात की संभावना है,वहीं बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कोण्डागांव, कांकेर और नारायणपुर जिलों में एक-दो स्थानों पर अतिभारी वर्षा वज्रपात की संभावना है,अगले 24 घंटों में बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, कोंडागांव, कांकेर और नारायणपुर जिलों के लिए अति भारी से सीमांत भारी बरसात की संभावना व्यक्त की गई है।

स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार : ओवर ऑल कैटेगरी में 8 विद्यालय और सब कैटेगरी में 28 विद्यालय पुरस्कृत

जगदलपुर। जगदलपुर में आयोजित 22वें राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के सम्मान समारोह में स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार का वितरण किया गया। इसके अंतर्गत ओवर ऑल कैटेगरी में 8 विद्यालयों को और सब कैटेगरी में 28 विद्यालयों को पुरस्कृत किया गया। ओवर ऑल कैटेगरी में शासकीय माध्यमिक विद्यालय मुतनपाल, शासकीय हाई स्कूल कुड़कानार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुड़कानार, शासकीय माध्यमिक विद्यालय डोंगाम, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धरमपुरा, शासकीय हाई स्कूल चित्रकोट और शासकीय माध्यमिक विद्यालय बड़े मोरठपाल को पुरस्कृत किया गया। इसके तहत जल, शौचालय, हाथ धुलाई, संचालन एवं रखरखाव, व्यवहार परिवर्तन एवं क्षमता निर्माण और कोविड अनुरुप व्यवहारों के लिए इन विद्यालयों को पुरस्कृत किया।

स्व-सहायता समूहों ने चावल व धान से बनी राखियों का लगाया स्टॉल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। जिले में भाई-बहन के अटूट प्रेम का त्यौहार रक्षाबंधन के त्यौहार को देखते हुए स्व-सहायता समूहों की महिलाएं राखियां तैयार करने में जुटी हैं, जिले की पार्वती महिला ग्राम संगठन चितालंका, मां दंतेश्वरी संकुल संगठन बालूद, किसान महिला संकुल संगठन भांसी, एकता महिला ग्राम संगठन चितालंका की स्वसहायता समूह की 15 से 20 महिलाएं राखी तैयार कर रही हैं। इस वर्ष स्वसहायता समूह द्वारा निर्मित राखियों को विक्रय के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में शनिवार से स्टॉल लगाया जा रहा है। इसके अलावा जिले के मां दंतेश्वरी सी मार्ट, में भी विक्रय के लिए उपलब्ध है।

मां दंतेश्वरी संकुल संगठन बालूद की सदस्य ग्राम चितालुर की निवासी सीमा बताती हैं कि स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा धान, चावल, मोती, ऊन, रक्षा धागे से अलग-अलग डिजाइन से फैंसी एवं आकर्षक रंग-बिरंगी राखियां बनाकर अपने हुनर का प्रदर्शन कर रही है, इससे उन्हें अमदनी भी मिल रही है। सीमा बताती हैं कि पिछले वर्ष स्व-सहायता समूह की दीदियों ने अपने द्वारा बनाये गये राखी का विक्रयकर उनके समूह को 40 से 50 हजार रुपए की आमदनी हुई थी। इसी तरह पूरे समूह की दीदियों को लगभग 01 लाख 20 हजार की आमदनी हुई थी, इस वर्ष भी अच्छी आमदनी की उम्मीद है। जिला पंचायत बिलासपुर के परिसर में स्व सहायता समूह की महिला सदस्यों ने राखियों का स्टॉल लगाया है। स्टॉल में 10 रुपये से लेकर 60 रुपये तक की राखियां हैं। समूह की सदस्य रजनी सूर्यवंशी ने बताया कि, राखी बनाने का काम उन्होंने 2 महीने पहले से शुरू कर दिया था। उनके पास धान, चावल और बांस से बनी राखियों के अलावा फैंसी राखियां भी उपलब्ध हैं। लेकिन स्टॉल में राखी खरीदने आई महिलाएं धान, चावल और बांस से बनी राखियों को सर्वाधिक पसंद कर रही हैं। समूह ने अपने स्टॉल के पहले ही दिन 18 सौ रुपये की राखियों की बिक्री कर ली। समूह की सदस्यों ने बताया कि बिलासपुर ही नहीं, बल्कि उनकी राखियों को अन्य जिलों में भी पसंद और आर्डर किया जा रहा है। यही वजह है कि रायपुर के एक फैंसी स्टोर्स चलाने वाले व्यवसायी ने अपनी दुकान में बेचने के लिए 110 राखियाँ समूह से खरीदी हैं।

स्व सहायता समूह को जिला पंचायत दे रहा लोन

स्व सहायता समूह से जुड़ी इन महिलाओं को जिला पंचायत इनके व्यापार को बढ़ाने के लिए लोन भी दे रहा है। इसके अलावा समूह से जुड़े नए सदस्यों को ट्रेनिंग भी दी जा रही है, ताकि वह भी इस तरह की राखियों को बना सके।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना का किया जिक्र

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 20 हजार से कम आबादी के शहरों में मनरेगा लागू करने का दिया सुझाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की सातवीं बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बैठक से संबन्धित एजेंडा बिन्दुओं के अतिरिक्त राज्यहित से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और विषयों पर अपनी बात रखी।

वहीं, बैठक में प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना का जिक्र भी किया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री ने विशेषकर गोधन न्याय योजना का जिक्र करते हुए कहा कि, गोबर से तैयार हो रहे वर्मी कम्पोस्ट खेतों की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक है द्य कहा यह किसानों के हित में अच्छी योजना है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में नीति आयोग ने प्रदेश के आकांक्षी जिलों के बेहतर प्रदर्शन की सराहना की है। लेकिन राज्य में संसाधनों की समस्याएँ अभी भी हैं, जिनका समाधान होना चाहिए। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ अनाज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर है। फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना लागू करने के साथ ही छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन गठित किया गया है। श्री बघेल ने सुझाव दिया कि फसल विविधीकरण एवं दलहल, तिलहन का उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए नवीन विकसित फसल क़िस्मों के नि:शुल्क बीज मिनी किट एवं ब्रीडर सीड बड़े पैमाने पर कृषि अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अँग्रेजी माध्यम स्कूल की स्थापना सहित अच्छी गुणवत्ता की अधोसंरचना, उपकरण, शैक्षिक तथा पाठ्यसहगामी गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। वहीं, नगरीय प्रशासन पर चर्चा करते हुए श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने लगातार तीन वर्षों से राज्य स्वच्छ सर्वेक्षण में बाजी मारी है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में बेहतर कार्य किए गए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि शहरों के निकट स्थित ग्रामीण क्षेत्रों एवं 20 हजार से कम आबादी के शहरों में मनरेगा लागू की जाये।

इसके अलावा उन्होंने बैठक में जीएसटी क्षतिपूर्ति का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि जीएसटी कर प्रणाली से राज्यों को राजस्व की हानि हुई है, आगामी वर्ष में राज्य को लगभग 5000 करोड़ के राजस्व की हानि की भरपाई की व्यवस्था केंद्र द्वारा नहीं की गयी है, इसलिए जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान को जून 2022 के पश्चात भी आगामी 05 वर्षों के लिए जारी रखा जाये।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विगत 3 वर्षों के केन्द्रीय बजट में छतीसगढ़ को केन्द्रीय करों में हिस्से की राशि 13,089 करोड़ कम प्राप्त हुए हैं। जिससे राज्य के संसाधनों पर अत्याधिक दबाव की स्थिति निर्मित हुई है। केन्द्रीय करों के हिस्से की राशि पूर्णत: राज्य को दी जाये। श्री बघेल ने कोल ब्लॉक कंपनियों से कोल उत्खनन पर 295 रुपये प्रति टन के मान से केंद्र के पास जमा राशि 4,140 करोड़ छत्तीसगढ़ को शीघ्र देने की मांग की। उन्होने कहा कि राज्य का लगभग 65 प्रतिशत खनिज राजस्व का स्रोत प्रदेश में संचालित लौह अयस्क खानें है। रॉयल्टी दरों में संशोधन राज्य के वित्तीय हित में आवश्यक है।

स्वास्थ्य सहायता योजना से लोगों को मिल रहा है नया जीवनदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना जरूरतमंद लोगों के लिए उम्मीद की नयी किरण लेकर आई है। इस योजना में गंभीर एवं दुर्लभ बीमारियों के उपचार के लिए 20 लाख रूपए तक विशेष उपचार सहायता लोगों को दी जाती है। छत्तीसगढ़ एकमात्र ऐसा राज्य है जहां इलाज हेतु इतनी बड़ी राशि लोगों को दी जा रही है। जरूरतमंद लोगों के लिए यह योजना संजीवनी साबित हो रही है। जिले में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत वर्ष 2021 में 77 लोग लाभान्वित हुए है एवं इस वर्ष माह जनवरी से अब तक 36 लोग लाभान्वित हो चुके है।

मोपका के 6 वर्षीय बालक सात्विक राय के लिए भी यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। सात्विक एक गंभीर त्वचा रोग एपिडर्मोलिसिस बुलोसा से ग्रसित है। यह एक दुर्लभ बीमारी है। जिसके इलाज में काफी पैसों की जरूरत पड़ती है। सात्विक के पिता श्री प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्हें इस योजना के बारे में उनके मित्र से जानकारी मिली। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में आवेदन करने के दो माह के भीतर ही 15 लाख रूपए राज्य शासन द्वारा सात्विक के इलाज के लिए स्वीकृत हो गया। उन्होंने सात्विक का इलाज क्रिश्चन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर में करवाया। इलाज के बाद सात्विक की स्थिति अभी ठीक है। श्री प्रदीप कुमार राज्य शासन को धन्यवाद देते हुए कहते हैं कि जरूरतमंद लोगों को लिए यह योजना काफी मददगार साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना से मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के बड़े तबके के स्वास्थ्य की सुध ली है। सात्विक के इलाज के लिए इतनी बड़ी राशि एकत्र कर पाना उनके लिए कतई संभव नहीं था।

शासन द्वारा दी गई मदद से आज उनके बच्चे का इलाज हो पाया है। प्रदेश के नागरिकों को दुर्लभ एवं गंभीर बीमारियों के लिए नगद रहित उपचार का लाभ दिलाने की दिशा में यह योजना एक महत्वपूर्ण कदम है।

22वें राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर में आयोजित 22वें राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में रायपुर ओवरऑल चैंपियन बनी। जिला पंचायत के समक्ष स्थित पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी सभागार (टाउन हॉल) में आयोजित समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की मंशा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करना है, जिससे उन्हें बेहतर प्रशिक्षण मिले और वे देश-दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि जगदलपुर में सिटी ग्राउंड, हाता ग्राउण्ड, इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम और धरमपुरा का क्रीड़ा परिसर जर्जर स्थिति में था। इन खेल अधोसरंचनाओं का विकास अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार किया जा रहा है। इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम के फुटबॉल मैदान को फीफा द्वारा मान्यता दी गई है। उन्होंने कहा कि अच्छे खेल मैदानों में प्रशिक्षण से खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा निखरती है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब खेल की दुनिया में तेजी से उभर रहा है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का हिस्सा है और खेलना जरुरी है। उन्होंने खेलों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताते हुए कहा कि जो शारीरिक और मानसिक रुप से सबल होंगे, वे ही देश-प्रदेश और समाज की सेवा बेहतर ढंग से कर सकेंगे।

हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन सिखाता है। खेल के माध्यम से आगे बढ़ने वाले विद्यार्थियों को निरंतर यात्राओं का अवसर प्राप्त होता है, जिससे वे अपने क्षेत्र के साथ ही दूसरे क्षेत्रों को भी निकट से देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि खेल अनुदेशकों द्वारा खिलाड़ियों की प्रतिभाओं को निरंतर निखारा जा रहा है तथा खिलाड़ियों को खेल के प्रति अपनी रुचि निरंतर बनाए रखना चाहिए।

पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने कहा कि क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन लोगों का खेलों के प्रति रुझान बढ़ाना तथा खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि अब पालकों में खेलों के प्रति सकारात्मक रुझान देखा जा रहा है और वे इसे कैरियर के रुप में स्वीकार करने लगे हैं और बच्चों को समर्थन दे रहे हैं। यह एक अच्छा रुझान है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसलिए खेलों को अपने दैनिक गतिविधि में शामिल करना चाहिए। विशेषकर विद्यार्थी जीवन से खेलों को अपनी गतिविधि में शामिल करना चाहिए, ताकि यह प्रतिदिन की आदत में शामिल हो।

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के सहायक संचालक विजेन्द्र डोंगरे, राजीव गांधी शिक्षा मिशन के जिला मिशन समन्वयक अखिलेश मिश्रा, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक राजेन्द्र डेकाटे, लोक शिक्षण के सहायक संचालक अनिल मिश्रा, सहायक परियोजना अधिकारी राजेन्द्र पांडे उपस्थित थे।

पुलिस ने किया स्कूलों में साईबर क्राईम जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देश पर पुलिस अधिकारियों के द्वारा साईबर क्राईम जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को साईबर अपराध से बचने के तरीके के साथ ही साईबर फ्राड होने पर किस प्रकार हानी से बचा जा सकता है इसके बारे में अवगत कराया जा रहा है। बीते दिन साईबर सेल प्रभारी नीलाम्बर मिश्रा व एएसआई बबीता यादव के द्वारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर में साईबर क्राईम जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान साईबर सेल प्रभारी ने आर्थिक और सामाजिक अपराध और उनमें कम्प्यूटर, मोबाइल व इंटरनेट का प्रयोग करके अपराधी प्रवृत्ति के लोग नागरिकों की जीवन भर की कमाई कैसे ठगी कर रहे है उसकी बारे में जानकारी दिया। महिलाओं को परेशान करने व अपमानित करने के लिए भी असामजिक तत्व सोशल मिडिया का प्रयोग कर रहें हैं। फर्जी नंबरों से फोन काल, नकली बैंक अधिकारी बन लोन फ्राड, केवाईसी सत्यापन के नाम पर आनलाइन ठगी जैसे अपराध घटित हो रहे है। इन सभी अपराधों के मूल में पीड़ित की अज्ञानता अथवा लालच ही पहला चरण होता है। उन्होंने कहा कि हमें किसी लालच में नहीं आना है, झांसे में आकर किसी प्रकार की ओटीपी, एटीएम कार्ड पिन नंबर की जानकारी किसी के साथ झांसा नहीं करना है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को लगन व निष्ठा के साथ पढ़ाई करने की समझाईश भी दी। यातायात नियम, महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों, विधिक जानकारियों से अवगत कराते हुए कहा कि पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है, किसी प्रकार की समस्या होने पर अवगत कराए। ठगी होने पर तत्काल नकदीकी पुलिस थाना, ष्4ड्डद्गह्ष्ह्ल्द्बद्बद्ग.द्दश1.द्बठ्ठ अथवा हेल्पलाईन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने को कहा।

एएसआई बबीता यादव ने छात्राओं को महिला सुरक्षा के लिए उपयोगी अभिव्यक्ति ऐप के बारे में अवगत कराया बल्कि शिक्षकों व छात्राओं को अभिव्यक्ति ऐप मोबाईल में डाउनलोड करवाया और उसके इस्तेमाल की जानकारी

कमरे में मिली पिता और 2 बच्चों की लाशें: 6 साल की बेटी, 9 साल के बेटे का घोंटा गला, फिर कीटनाशक पीकर दी जान

रायपुर (ए)। रायपुर जिले के धरसीवा इलाके में एक पिता ने अपने दो बच्चों की हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी कीटनाशक पीकर अपनी जान दे दी। घटना करीब 2-3 दिन पहले पुरानी होने का अंदेशा जताया जा रहा है। रविवार रात बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद जब कमरा खोला गया तो वारदात का पता चला। मामला धरसीवा के देवरी गांव का बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, 30 साल का रामेश्वर साहू अपनी 6 साल की बेटी और 9 साल के बेटे के साथ इस घर में रह रहा था । पत्नी साथ नहीं रहती थी। 2 दिनों से कोई घर से बाहर नहीं निकला था। बदबू आने पर स्थानीय लोगों को गड़बड़ी का शक हुआ। उन्होंने दरवाजा खटखटाना शुरू कर दिया, कोई जवाब नहीं मिला। खिड़की से झांक कर देखा गया तो अंदर बच्चे बेसुध पड़े दिखे।

गला घोंटकर बच्चों को मारा

गांव वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में दरवाजे की कुंडी तोड़कर देखा गया तो तीनों की सड़ी लाशें पड़ी थीं। जांच में पता चला है कि पहले रामेश्वर ने अपने दोनों बच्चों का

गला रस्सी या किसी कपड़े से घोंट दिया। इसके बाद उसने खुद कीटनाशक पीकर अपनी जान दे दी। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए रायपुर के अंबेडकर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद इस केस में और जानकारी सामने आएंगी। बच्चों और रामेश्वर की लाश काफी हद तक खराब हो चुकी थी उसमें से बदबू आ रही थी। इस वजह से माना जा रहा है कि घटना एक 2 दिन पुरानी हो सकती है। अब तक की जांच में पुलिस को मामला दो बच्चों की हत्या के बाद पिता की खुदकुशी कर लेने का ही लग रहा है।

भाई के साथ भागी पत्नी

शुरुआती पूछताछ में पड़ोसियों ने बताया कि रामेश्वर की पत्नी करीब 1 साल पहले उसी के बड़े भाई के साथ भाग गई थी। इस बात को लेकर रामेश्वर अक्सर परेशान रहता था। 6 साल की बेटी रागिनी और 9 साल के बेटे अमित की परवरिश का जिम्मा रामेश्वर पर ही था। रामेश्वर सिलतरा की किसी फैक्ट्री में मजदूरी का काम किया करता था। अंदेशा है कि पारिवारिक परिस्थितियों से तंग आकर उसने वारदात की है।

खास-खबर

9वीं की छात्रा ने फांसी लगाईः परिजन बोले-15 दिन से मोबाइल खराब होने के कारण परेशान थी

भिलाई। भिलाई के रिसाली सेक्टर प्रगति नगर में रहने वाली एक 9वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। छात्रा ने खुदकुशी क्यों की इस बात का पता नहीं चल पाया है। नेवई पुलिस मामले की जांच कर रही है। नेवई थाना प्रभारी ममता अली शर्मा ने बताया कि प्रगति नगर निवासी अदिति शर्मा (16) ने रविवार को अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी की है। उसकी मौत से परिजन सदमें में हैं। उन्होंने बताया कि अदिति पढ़ने में काफी अच्छी थी। वह 9वीं क्लास में थी। पुलिस ने घटना स्थल की पूरी तलाशी ली। कहीं से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि अदिति का मोबाइल पिछले 15 दिनों से खराब था। इससे वह काफी परेशान थी। पुलिस का कहना है कि मात्र मोबाइल खराब होना खुदकुशी का कारण नहीं हो सकता है। अदिति के जाने से घर वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि अंतिम संस्कार के बाद वह आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों व उसके दोस्तों और रिश्तेदारों से पूछताछ करेगी।

5 दिन के अंदर दूसरे स्टूडेंट ने की खुदकुशी

दुर्ग जिले में 5 दिनों में नाबालिग स्टूडेंट की खुदकुशी करने का यह दूसरा मामला है। पांच दिन पहले रिसाली सेक्टर में ही ग्रीन वैली में रहने वाले वेदांशु ठाकुर ने खुदकुशी कर ली थी। इस तरह की घटनाएं क्यों बढ़ रही हैं। पुलिस मनोवैज्ञानिक तरीके से भी इसका पता लगाएगी।

पुलिस मुखबिरी के शक में मौत की सजाः घर से उठाकर युवक का रेता गला साल भर पहले किया था अगवा, तब भाग निकला था

बीजापुर (ए)। बीजापुर जिले में माओवादियों ने पुलिस की मुखबिरी के शक में एक युवक को मौत की सजा दे दी है। करीब 10 से 15 माओवादियों ने शनिवार की रात युवक को पहले घर से उठाया फिर जंगल में ले जाकर धारदार हथियार से गला रेत दिया। वारदात को अंजाम देने बाद शव को गांव में ही फेंक दिया। बताया जा रहा है कि, सालभर पहले भी माओवादियों ने युवक को अगवा किया था, लेकिन वह किसी तरह उनके चंगुल से भाग निकला था। मामला जिले के उसूर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, युवक माड़वी सोमडू गलगम इलाके के इत्तागुड़ा का रहने वाला था। नक्सली लगातार इसे ढूंढ रहे थे। नक्सलियों को खबर मिली थी कि युवक अपने भाई के ससुराल गलगम में है। इसके बाद शनिवार देर रात करीब 10 से 15 माओवादी घर पहुंच गए। जिसे घर से उठाकर जंगल की तरफ लेकर गए। वहीं पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाकर धारदार हथियार से गला रेत कर युवक की हत्या कर दी। फिर शव को गांव में ही फेंक दिया और भाग निकले। ग्रामीणों ने सुबह हत्या की जानकारी पुलिस को दी। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सालभर पहले भी नक्सली युवक को उठाकर ले गए थे। कई दिनों तक बंदी बनाकर रखा था। उनके चंगुल से छूटने के बाद युवक कई महीनों तक गांव से बाहर था। कुछ दिनों पहले ही वह अपने भाई के ससुराल आकर रहने लगा था। नक्सलियों को खबर मिली और उन्होंने हत्या कर दी।

बैंक से 89 लाख का फर्जीवाड़ाः फर्जी दस्तावेज के सहारे लिया लोन, 5 गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में फर्जी नाम-पता और दस्तावेज जमा कर 89 लाख रुपए लोन लेने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बैंक प्रबंधन ने लोन की राशि जमा नहीं होने पर खातेदारों की जानकारी जुटाई, तब उनका पता नहीं चला। इसके बाद बैंक ने लोन के लिए जमा किए गए दस्तावेजों की जांच की, तब फर्जीवाड़ा सामने आया। इसके बाद बैंक के प्रबंधक ने थाने में एफआईआर दर्ज कराया। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र के ग्रामीण बैंक का है।

लोन की किस्त जमा नहीं होने पर हुआ खुलासा

चकरभाठा में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की शाखा है। यहां के मैनेजर विजय दिनकर ने थाने में धोखाधड़ी की शिकायत की। इसमें उन्होंने बताया कि बैंक से सात लोगों ने 89 लाख रुपए का पर्सनल लोन लिया है। लोन लेने वालों ने खुद को अलग-अलग विभागों में सरकारी कर्मचारी बताया था। जब लोन की किस्त जमा नहीं हो रही थी, बैंक के अधिकारियों ने उनके पते पर संपर्क किया। इसके बाद पता चला कि लोन लेने वालों ने फर्जी दस्तावेज दिए हैं।

बैंक ने अपने स्तर पर जुटाई जानकारी

प्रबंधक ने पुलिस को बताया कि लोन लेने वालों की संपत्ति कुर्क करने के लिए जानकारी जुटाई जा रही थी। लेकिन, दस्तावेजों फर्जी थे। इसके चलते उनकी कोई जानकारी नहीं मिल पाई। आखिरकार, उन्होंने मुख्यालय से संपर्क किया और वहां से निर्देश मिलने पर धोखाधड़ी की शिकायत की।

बैंक प्रबंधन की भूमिका संदिग्ध, इसकी भी होगी जांच

टीआई मनोज नायक ने बताया कि धोखाधड़ी के इस केस में बैंक प्रबंधन और कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध है। आमतौर पर बैंक से लोन लेने पर प्रबंधन पूरी जानकारी जुटाती है। यहां तक खाता खुलवाने पर दस्तावेजों का वेरिफिकेशन किया जाता है, और उपभोक्ताओं को कई तरह की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। लेकिन, बैंक प्रबंधन ने इतनी बड़ी राशि लोन देने के पहले वेरिफाई क्यों नहीं किया। इससे बैंक प्रबंधन भी सवालों के घेरे में है। पुलिस इस केस में लोन देने वाले प्रबंधक और कर्मचारियों की जानकारी जुटाकर पूछताछ करेगी और दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

फोटो और दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

टीआई मनोज नायक ने इस मामले की जांच शुरू की, तब उनके पास आरोपियों के फोटो और फर्जी दस्तावेज थे। लिहाजा, उन्होंने स्क्रपालुर माथुर से मार्गदर्शन लिया और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट के साथ टीम बनाकर मामले की जांच की। इसमें पांच आरोपियों के ठिकानों की जानकारी मिली। सभी अलग-अलग जगहों के रहने वाले थे। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मुंगेली सहित अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर पांच लोगों को पकड़ा, जिनमें कोटा क्षेत्र के नरोतीकापा निवासी ज्ञानदास मेरसा (50), रामकुमार खांडे (50), कुदुदंड निवासी मदनलाल कुलमित्र (38), उसलापुर के सागरदीप कॉलोनी निवासी प्रदीप राव (44), और पुरानी बस्ती पेंड्रा के रियाज खान (35) को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों के खाते में 15 लाख, दो की तलाश जारी

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट प्रभारी हरविंदर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और उनके खातों की जांच की गई, जिसमें उनके खातों में 15 लाख रुपए होने की जानकारी मिली है, जिसे बैंक प्रबंधन को लौटाया गया है। वहीं, दो फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

स्कूल जा रही छात्रा मालवाहक की चपेट में आकर हुई घायल

महासमुंद (ए)। नो एंट्री का बोर्ड शहर के आउटर में जरूर लगा है, लेकिन उस टाइमिंग का कोई मतलब नहीं है। भारी वाहन जब चाहे तब शहर में बेधड़क तेज रफ्तार से घुस रहे है और लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल जाने व छुट्टी होने के समय होती है। इस समय हादसे का भय बना रहता है। शनिवार को स्कूल लगने के समय मालवाहक ने 11वीं की छात्रा को चपेट में ले लिया। हालांकि हादसे में स्कूली छात्रा को गंभीर चोट नहीं आई है, लेकिन एक बड़ा हादसा हो सकता था। इधर, हादसे के बाद स्कूल प्रबंधन ने एसपी को पत्र लिखकर डिवाइडर की वजह से लग रहे जाम से निजात और शहर में स्कूल टाइम पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की है।

बता दें कि नो एंट्री पर रोक कोविड काल से बंद है। वर्तमान में स्थिति सामान्य हो गई है, इसके बावजूद यातायात नो एंट्री पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस संबंध में यातायात डीएसपी राजेश देवांगन का कहना है कि शासन और प्रशासन को स्कूल समय मे भारी वाहनों की नो एंट्री का नियम लागू करने कुछ माह पूर्व पत्र लिखा जा चुका है पर अभी तक सहमति नहीं मिली है जैसे ही सहमति मिलती है। नियम लागू कर भारी वाहनों के प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

आदर्श उमा विद्यालय की विद्यार्थी है घायल छात्रा

आदर्श बालक शाला में अध्ययनरत कक्षा 11वीं की छात्रा तारणी साहू शनिवार सुबह घर से स्कूल आ रही थी। स्कूल के पास पहुंची थी कि रायपुर से राजिम की ओर जा रहा मालवाहक वाहन क्रमांक सीजी 06 पीडब्ल्यू 0602 से हादसे का शिकार हो गई। छात्रा के हाथ में चोट और पैर में मोच आने से वह घायल हो गई है।

स्कूल के प्राचार्य हेमेन्द्र आचार्य ने बताया कि उन्होंने हादसे के तुरंत बाद एसपी के नाम पत्र लिखा है जिसमें स्कूल समय सुबह साढ़े 10 से दोपहर 12 बजे और शाम 4 से 6 बजे तक शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने पालिका प्रशासन को भी पत्र लिखा है जिसमें स्कूल के प्रवेश द्वार से लगे फल, पान ठेला और अन्य दुकानों को हटाए जाने की मांग की है, ताकि स्कूल के पास हादसे न होने पाए।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर युवती को बनाया शिकार, गिरफ्तार

रायपुर (ए)। सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुरानी बस्ती थाने की पुलिस ने आरोपित किशोर कुमार टंडन को पकड़ा है। उसके पास से फर्जी नियुक्ति पत्र व शील जब्त की गई है। पुरानी बस्ती थाने में दुर्ग निवासी स्वरूपरानी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 10 मई को वाट्सएप के माध्यम से एक विज्ञापन प्रसारित हुआ था, जिसमें स्टार्टअप संगवारी पद जिला प्रशासनिक अधिकारी, ब्लाक प्रशासनिक अधिकारी, कृषि प्रशासनिक अधिकारी, अंशकालीन शिक्षक की 25 से 35 हजार का वेतन दर्शाया गया था। वह बेरोजगार थी। उसने विज्ञापनदाता किशोर कुमार टंडन से संपर्क किया। किशोर ने राधास्वामी नगर स्थित अपने ऑफिस बुलाकर एक नियुक्ति पत्र दिया। नौकरी लगाने के नाम पर 35000 लेकर बालोद में ड्यूटी ज्वाइन के लिए कहा। जब वह बालोद पहुंची तो पता चला कि कोई नौकरी नहीं है। पीड़िता ने जब पतासाजी की तो जानकारी मिली कि किशोर कुमार टंडन ने उसकी भांति कई अन्य लोगों से पैसे लेकर नौकरी का झांसा देकर धोखाधड़ी की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर आरोपित को पकड़कर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म स्वीकार किया।

शराब तस्करों ने एसआई पर तलवार से किया हमला, चौकी प्रभारी का सिर फटा

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में शराब तस्करों ने मल्हार पुलिस चौकी प्रभारी शंकर गोस्वामी और हेड कांस्टेबल विश्वास पात्रे पर तलवार से हमला कर दिया। हमले में चौकी प्रभारी का सिर फट गया है। इस दौरान बीच बचाव करने पहुंचे हेड कांस्टेबल विश्वास पात्रे पर भी तस्करों ने हमला कर दिया। दोनों शराब तस्करों को पकड़ने के लिए पहुंचे थे। वारदात 3 अगस्त की है। पुलिस ने शनिवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद मामला सामने आया। फिलहाल चौकी प्रभारी का अभी उपचार चल रहा है।

मल्हार चौकी प्रभारी शंकर गोस्वामी को 3 अगस्त की रात सूचना मिली थी कि ग्राम जैतपुरी में शराब तस्करी हो रही है। इस पर वे हेड कांस्टेबल विश्वास पात्रे के साथ रात करीब 9.30 बजे गांव पहुंचे। वहां पता चला कि शराब तस्करों ने पुलिस के आने की खबर पर रूट चेंज कर लिया है। इसके बाद पुलिसकर्मी जैतपुरी से लौटने लगे। तभी रास्ते में दो युवकों ने तलवार से हमला कर दिया। हेड कांस्टेबल ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया।

इसके बाद हमला करने के बाद दोनों युवक भाग निकले।

चौकी प्रभारी के सिर पर आए 12 टांके

हेड कांस्टेबल ने युवकों को पकड़ने की कोशिश की और उनके पीछे गए, लेकिन तब तक हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग चुके थे। इसके बाद हेड कांस्टेबल आनन-फानन में घायल चौकी प्रभारी शंकर गोस्वामी को अस्पताल लेकर पहुंचे और वहां भर्ती कराया। घटना के संबंध में उच्चाधिकारियों को जानकारी दी गई। घायल चौकी प्रभारी के सिर पर 12 टांके लगे हैं। घटना के 3 दिन बाद मस्तूरी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने आरोपी युवकों भुरू केंवट और नरेंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया है।

परिजनों ने किया गिरफ्तारी का विरोध

इधर दोनों आरोपियों भुरू केंवट और नरेंद्र यादव की गिरफ्तारी का विरोध करने परिजन और गांववाले थाने पहुंच गए। उन्होंने दोनों युवकों को निर्दोष बताया और कहा कि इनका शराब तस्करों से कोई संबंध नहीं है और इन्होंने नादानी में पुलिस पर हमला किया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

हर घर तिरंगा और हर आँगन एक पेड़ हेतु प्रोत्साहन कर रही हैं संस्था आर्टकॉम

भिलाई। भिलाई की संस्था आर्टकॉम समाज के प्रति अपनी जवाबदारी समझते हुए निरंतर काम कर रही है जिसके तहत वृक्षारोपण तो किया ही जा रहा हैं साथ ही साथ मोदी जी के आव्हान पर हर घर तिरंगा मुहीम को भी घर घर तक पहुँचाने की कोशिश भी कर रही हैं। संस्था संचालक नीशू पाण्डेय ने अधिक जानकारी देते हुए बताया की हर रविवार की तरह इस रविवार को भी दो स्थान पर पौधें रोपने का कार्य किया गया द्य प्रथम स्थान आर्यनगर प्रांगण में पारस जंघेल और मदन सेन की अगुवाहीम में व द्वितीय स्थान शंकर लाल देवांगन के नेतृत्व में सुपेला व्यंकटेश टॉकीज के पीछे स्थानीय निवासियों एवं संस्था के सभी सदस्यों की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया द्य आर्टकॉम के निरंतर चल रहे इस अभियान में कई नए सदस्य स्वेच्छा से संस्था की मुहीम से जुड़ रहे हैं और पटरी पार के क्षेत्र को हरा भरा करने हेतु संकल्प ले रहे हैं। साथ ही साथ देश के प्रधानमंत्री मोदी जी के आव्हान पर हर घर तिरंगा अभियान के बारे में मोहल्ले वासियो को जानकारी दी और हर घर एक तिरंगा नारा भी लगाया गया।

भगवे झंडे के साथ निकाली गई तिरंगा यात्रा

भिलाई। युवा सेवा संघ और श्री योग वेदांत सेवा समिति भिलाई दुर्ग के तत्वावधान में संत श्री आसाराम जी बापू की सत्प्रेणा से युवा सेवा संघ द्वारा तिरंगा यात्रा भगवे झंडे हाथ मे लिए हुए भगवान नाम कीर्तन करते हुए हाउसिंग बोर्ड भिलाई में निकाली गई,यह यात्रा की सुरुवात हनुमान मंदिर से जय श्री राम का जय घोष करते हुए,देश भक्ति संगीत से साथ निकाली गई ,यहाँ यात्रा को पूरे हाउसिंग बोर्ड में घुमाये गए इस सुप्रचार यात्रा का मुख्य उद्देश्य सभी लोगो को भगवान नाम से जोड़ने के साथ अभी आने वाली 75 वे स्वतंत्रता दिवस की बधाई व शुभकामना देना,और संघ द्वारा जानकारी दी गई कि 15 अगस्त के निमित्त देश भर के युवा सेवा संघ द्वारा सभी जिले व कस्बे में इस दिन संत श्री आसाराम जी बापू की प्रेणा से देश भक्ति यात्रा निकाली जाती है,उस दिन देश भक्ति यात्रा संघ द्वारा भिलाई के छावनी चौक से निकाली जाएगी और जिसकी तैयारी सभी आश्रमो और समिति में की जा रही है,उक्त जानकारी युवा संघ ने दी।

वर्षों से आईटीआई दशहरा मैदान था अंधेरे में अब हाईमास्क लाइट से होगा रौशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की अनुसंशा पर क्रेडा विभाव द्वारा विधानसभा क्षेत्र में सौर ऊर्जा से चलने वाली हाईमास्क लाइट की व्यवस्था की जा रही है। जो खेल मैदान वर्षों से अंधेरा में डूबा हुआ था, जिस गार्डन में अंधेरा होने की वजह से कोई नहीं जाता था। अब वे खेल मैदान, गार्डन व अन्य जरूरी स्थान अब हाई मास्क लाइट की रौशनी से रौशन होंगे।

और यह सब कुछ संभवन हो पाया है भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की पहल से।

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव वार्ड दौरा करते हैं। वे भिलाई के इतिहास के पहले ऐसे विधायक हैं, जो लोगों का हालचाल जानने, उनकी समस्याओं को समझने और उसका निदान करने के लिए खुद लोगों के बीच जाते हैं। वार्ड दौरा करते हैं। लोगों के घर-घर जाकर भेंटमुलाकात करते हैं।

इसी कड़ी में विधायक देवेंद्र यादव से जनता ने शहर के कुछ प्रमुख स्थानों पर हाईमास्क लाइट लगाने की मांग की थी। जनता की मांग को पूरा करते हुए भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने पहल की और अनुसंशास करते हुए क्रेडा विभाग को पत्र लिखा। विधायक की अनुसंशा पर क्रेडा विभाग भिलाईनगर विधानसभा क्षेत्र में 8 जगह पर सौर ऊर्जा से चलने वाला हाईमास्क् लाइट लगवा रहे हैं। सेक्टर 6 अम्बेडकर भवन विधायक की पहल से अब सौर ऊर्जा से रौशन हो चुका है। इसी प्रकार दर्दी तालाब सामुदायिक भवन के पास का क्षेत्र वर्षों से अंधेरा रहता था। अब यहाँ और छावनी मुक्ति धाम गार्डन में वर्षों से अंधेरा अब जल्द दूर होगा। क्योंकि यहाँ जल्द ही हाईमास्क लाइट लग जाएगा। इस प्रकार आईटीआई दशहरा मैदान कई वर्षों से अंधेरा रहता था, खेल मैदान में 4 हाई मास्क लाइट लगाई गई है। इससे अब क्षेत्र के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

जनता की मांग जल्द होगी पूरी

जनता की मांग थी,मांग के अनुसार जहाँ जहाँ प्रमुख स्थानों पर अंधेरा था, वहाँ क्रेडा की मदद से हाई मास्क लाइट लगवा रहे है। करीब 8 जगह पर लाइट लगाई जाएगी। काम चल रहा है और कुछ जगह तो काम भी पूरा हो गया।

देवेन्द्र यादव,विधायक

पावर हाउस मार्केट एवं अंदरूनी बाजार से पकड़े गए आवारा पशु

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा के पावर हाउस, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट, सब्जी मंडी एवं फ्रूट मंडी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाजार के अंदरूनी इलाकों में भी रोका छेका का अभियान के तहत आवारा पशुओं की धरपकड़ के निर्देश दिए थे, वहीं उन्होंने मार्केट क्षेत्र को व्यवस्थित करने व्यापारियों से चर्चा भी की थी तथा इसी संबंध में अन्य कार्य योजनाओं को लेकर व्यापारियों के साथ बैठक लेने निगम के अधिकारियों को भी निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में दूसरे दिन ही रोका छेका अभियान चलाकर 28 आवारा पशुओं को पकड़कर गौठान भेजा गया।

वही आवारा पशुओं के धरपकड़ के लिए संसाधनों को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि अलग एरिया से आवारा पशुओं को पकड़ा जा सके। कलेक्टर के निर्देश के बाद एंप्लॉयमेंट भवन के पास की बंद पड़ी लाइट को निगम ने त्वरित रूप से चालू कर दिया है, वहीं व्यापारियों के लिए वाहनों की पार्किंग करने ओवर ब्रिज के नीचे व्यवस्था की जा रही है,अस्थाई पार्किंग तैयार हो चुका है, इस बाबत वाहनों को सुव्यवस्थित रखने के लिए मुनादी भी कराई जा रही है तथा समान बढ़ाकर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों को भी अपने समान दायरे में रखकर विक्रय करने सूचना लगातार दी जा रही है, इसके बाद भी नही मानने वालो पर कार्यवाही की जाएगी। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर के निर्देश पर जोन क्रमांक 3 मदर टेरेसा नगर की जोन आयुक्त येशा लहरें ने पावर हाउस मार्केट में व्यापारियों के साथ बैठक की, मार्केट को सुव्यवस्थित बनाने को लेकर व्यापारी संघ एवं निगम के बीच सार्थक चर्चा हुई।

मेहर जन कल्याण समिति ने किया जाति प्रमाण पत्र समस्या निवारण शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मेहर समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए मेहर जन कल्याण समिति तथा जाति प्रमाण पत्र संघर्ष समिति ने संयुक्त रूप से मेहर सदन सुपेला, भिलाई में रविवार 7 अगस्त को जाति प्रमाण पत्र समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जिसमें उपस्थित मेहर समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र बनवाने तथा लंबित प्रकरणों से संबंधित समस्याओं पर उचित सलाह देते हुए निवारण हेतु समिति के तरफ से यथासंभव सहयोग प्रदान करने हेतु आश्वस्त किया गया।

उक्त शिविर में मेहर जन कल्याण समिति के प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र रात्रे तथा मेहर जाति प्रमाण पत्र संघर्ष समिति के प्रांताध्यक्ष ललित शिवारे अपनी-अपनी टीम के साथ मौजूद रहे जिनमें कमल मिर्झा, भूषण दक्षिणे, रविशंकर दीक्षित, वेद सोनवानी, कुणाल मंडारे के साथ ही मेहर समाज दुर्ग जिला समिति के अध्यक्ष कन्हैया लहरी, कोषाध्यक्ष रामचंद्र लहरे, तुलसी दक्षिणे, कामतुलाल बघेल आदि पदाधिकारीगण मौजूद रहे । शिविर में धमधा बोरी, भिलाई -3 पाटन, भिलाई,दुर्ग तहसीलों के मेहर समाज के लोगों को ग्राम सभा और नगरीय निकायों द्वारा पारित किये जाने वाले प्रस्तावों से सम्बंधित फॉर्म वितरित किये गये।

जाति प्रमाण पत्र संघर्ष समिति के प्रांताध्यक्ष ललित शिवारे ने बताया कि सन 1950 के पूर्व समाज के अधिकांश लोगों के अशिक्षित व पूर्वजों के नाम पर जमीन नहीं या रिकॉर्ड में जाति विभिन्नता , होने के कारण छ.ग. की प्राचीन पौनी पारी व्यवस्था के होने व मूल अनुसूचित जाति होने के बावजूद मेहर समाज के लोगों के जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे हैं इसलिए जिला स्तर पर ऐसे शिविर लगाये जा रहे हैं ताकि जरूरतमंद लोगों को शासन द्वारा किये गये प्रक्रियागत सरलीकरण के विषय में जानकारी दी जा सके ।

रूआबांधा में भारी बारिश के बीच गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू का जन्मदिन मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत नगर निगम रिसाली के रूआबांधा दशहरा मैदान में बहुत ही हर्षोल्लास से नव नियुक्त एल्डरमैन अजीत यादव के तत्वाधान में आयोजित किया गया।

भारी बारिश के बीच में भी गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू जी ने अपनी उपस्थिति प्रदान कर रूआबांधा वासियों को गौरवान्वित किया इस अवसर पर बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

छत्तीसगढ़ शासन के गृह मंत्री के 73 वर्षगांठ पूर्ण होने पर 73 विभिन्न प्रकार के पौधे, बच्चों को कॉपी पेन का वितरण, काटे गए केक एवं गृह मंत्री के वजन अनुसार लड्डुओ का वितरण रूआबांधा वासियों को किया गया। माननीय श्री ताम्रध्वज साहू जी के द्वारा आशीर्वचन में एल्डरमैन अजीत यादव का इस भव्य आयोजन के लिए धन्यवाद प्रेषित किया गया।

इस अवसर पर नगर निगम रिसाली के महापौर श्रीमती शशि सिन्हा, सहकारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री रिवेंद्र यादव, केशव बंटी हरमुख, समाजसेवी हर्ष साहू, समस्त वार्ड पार्षद ,बृजमोहन सिंह, देवेंद्र कुमार निषाद ,निखिल राय, ललित साहू, प्रशांत

दांडी, ललित यादव, अंकित राजपूत, लोकेंद्र मंडावी, ममता यादव, टीकम साहू, राजेंद्र रजक, दिनेश यादव, मनोज पटेल, उपस्थित थे।

देश भक्ति सामूहिक गीतों की प्रतियोगिता में उमड़ा जोश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देश की स्वाधीनता के अमृत महोत्सव में संपूर्ण वंदेमातरम गौरव गान कार्यक्रम 15 अगस्त प्रात: 6:30 को अधिक से अधिक संस्थाओ तक पहुंचाने के उद्देश्य से संस्कार भारती जिला दुर्ग एवं महाराष्ट्र मंडल सेक्टर-4 भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में देशभक्ति गीत समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार 6 अगस्त को महाराष्ट्र भवन सेक्टर 4 में किया गया।

मुख्य अतिथि डॉक्टर जयेश दवे का स्वागत वसंत दिवेकर अध्यक्ष महाराष्ट्र मंडल ने, विशिष्ट अतिथि लताऋषि चंद्राकर का स्वागत कीर्ति व्यास अध्यक्ष संस्कार भारती ने और विशिष्ट अतिथि प्रो.महेश शर्मा का स्वागत मिलिंद मोघे अध्यक्ष विश्वस्त समिती महाराष्ट्र मंडल ने किया। कार्यक्रम की भूमिका कीर्ति व्यास ने प्रस्तुत की। प्रो. महेशचंद्र शर्मा ने स्वस्ति वाचन कर प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया। लताऋषि चंद्राकर ने कार्यक्रम की सराहना कर प्रतिभागियो को देश के लिए योगदान देते रहने के लिए आव्हान किया। मुख्य अतिथि डॉक्टर जयेश दवे आयोजन में बड़ी संख्या में शामिल स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को देख कर अपने स्कूल जीवन की स्मृतियों को याद किया व अपने अनुभव साझा किए।

सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इसके बाद निर्णायकगण डॉक्टर जयेश दवे , वरदा जोशी व स्वाति देशपांडे का शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। प्रतियोगिता में 16 वर्ष से कम आयु वर्ग में अ में कृष्णा पब्लिक स्कूल , खालसा स्कूल , सरस्वती शिशु मंदिर , एंजल वेली , माईल स्टोन , श्री शंकराचार्य , आर्य समाज , डीएव्ही हुडको और श्री शंकरा विद्यालय ने देशभक्ति गीत पर तबला व हार्मोनियम के साथ अपनी सुंदर प्रस्तुति दी। 16 वर्ष से ऊपर वर्ग ब में भिलाई महाविद्यालय , श्री शंकराचार्य महाविद्यालय , आर्य समाज विद्यालय , कृष्णा पब्लिक स्कूल , स्वरूपानंद नर्सिंग कॉलेज, डी ए व्ही विद्यालय और श्री शंकरा विद्यालय सेक्टर 10 ने भी तबला , हार्मोनियम के साथ जोश भरी प्रस्तुति दी। विशेष आकर्षण तिरंगा पगड़ी के साथ काँगो की रही। संचालन विकास पांडे व आभार प्रदर्शन हेमंत सगदेव ने किया। प्रतियोगिता के परिणाम 10 अगस्त को घोषित किए जाएंगे।

स्वार्थी दुनिया की फ्रेंडशिप से सावधान नाटक से नारद ने परमात्मा को सच्चा दोस्त बनाने का संदेश दिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सेक्टर 7 स्थित अंतर्दिशा भवन के पीस ऑडिटोरियम में फ्रेंडशिप डे भगवान को सच्चा दोस्त बनाकर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। डिवाइन ग्रुप के स्टूडेंट पियूशा और अनन्या ने खुशी की म्यूजिकल एक्सरसाइज करा कर कार्यकम की शुरआत की। भिलाई सेवा केंद्रों की निर्देशिका एवं इस कार्यक्रम की प्रेरणा स्त्रोत ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ भी हो जाए मूड ऑफनहीं सदा खुशी में ऑन रख हर्षित रहना है। दोस्त चेहरे के अच्छे नहीं लेकिन दिल का सच्चा हो फ्रेंड फोटो में नहीं जीवन के हर परिस्थिति में साथ हो। भगवान खुदा परमात्मा हमारा सच्चा दोस्त है और दोस्त को सदा साथ रख याद करना ही राजयोग है।

डॉक्टर, इंजीनियर, सिंगर, खिलाड़ी, अंतरिक्ष यात्री, वैज्ञानिक,कलेक्टर, आई ए एस, सैनिक बनना हम सभी का लक्ष्य रहता है, माता-पिता भी यही चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले हमें एक अच्छा ईमानदार श्रेष्ठ नागरिक बनना है। जितना ऊंचा लक्ष्य उसके लिए उतनी कड़ी मेहनत नो मोबाइल नो नो गपशप, सदा माता-पिता की बात मानना हाजी करना, तो खुदा दोस्त परमात्मा भी सदा हां जी होकर हर परिस्थिति में हमारा साथ देगा।

बच्चों को बताया कि आप स्कूल की हर बात चाहे अच्छी या बुरी अपने मम्मी पापा को जरूर बताएं। स्वार्थी दुनिया की फ्रेंडशिप से सावधान सुंदर नाटक से नारद ने परमात्मा को सच्चा दोस्त बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पासिंग द पार्सल, संग के रंग का प्रभाव, वैल्यू कार्ड राइट एंड एक्सचेंज एवं मेडिटेशन एक्टिविटी से बच्चों में एकाग्रता का अभ्यास कराया गया। सभी बच्चों को सदा अपना व् माता पिता का नाम रौशन करने आई एम डिवाइन स्टार की टोपी दी गई। बच्चों और पेरेंट्स ने स्वयं में आए बदलाव एवं मेडिटेशन के फायदे बताएं।

इस कार्यक्रम का बड़ी संख्या में पेरेंट्स और बच्चों ने लाभ लिया। ब्रह्माकुमारी मुस्कान दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन की प्रैक्टिस करवाई । इस पूरे कार्यक्रम को हर रविवार आने वाले डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने ही तैयार किया था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950